तापमान
अधिकतम 23.0 डिग्री
न्यूनतम 4.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 1 फरवरी 2026

12 गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती की उपलक्ष्य...

12 बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी परखने के लिए डीईओ का...

खबर संक्षेप

कार ने बुलेट को मारी टक्कर, युवक की मौत

बराड़ा। गांव अकालगढ़ बस स्टैंड के पास शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार की टक्कर से हुआ। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव अकालगढ़ निवासी लखविंद्र सिंह ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि शुक्रवार 30 जनवरी को वह शाम करीब 5: 20 बजे गांव के बस स्टैंड पर खड़ा था। इसी दौरान अधोया की ओर से बीड़ मंगौली की तरफ जा रही बुलेट मोटरसाइकिल को पीछे से आ रही एक कार ने तेज रफ्तार और लापरवाही से सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बुलेट सवार सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं।

जेवरात चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज जेवरात व नकद राशि चोरी मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी अशोक कुमार निवासी जसवन्त पुरी, मुजफ्फरनगर यूपी वर्तमान पता दुर्गानगर अम्बाला छावनी व किशनपाल निवासी माजावाली कच्ची सड़क मुजफ्फरनगर यूपी वर्तमान पता दुर्गा नगर अम्बाला छावनी जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार 04 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया था। रिमाण्ड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई।

धोखाधड़ी कर युवक से हड़पे 10 लाख 30 हजार

यमुनानगर। शहर की पृथ्वी नगर निवासी रमनदीप सिंह ने शिव कॉलोनी निवासी लविश कुमार पर हेराफेरी करके 10 लाख 30 हजार रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी लविश कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार रमनदीप सिंह ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शिव कॉलोनी निवासी लविश कुमार के साथ जान पहचान थी। आरोपी ने नौ अगस्त 2025 से लेकर एक अक्टूबर 2025 के बीच में उसके साथ हेरा फेरी करके 10 लाख 30 हजार रुपए हड़प लिए।

चोरी के मामले में एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

मुलाना। थाना मुलाना में दर्ज चोरी के मामले में 30 जनवरी 2026 को प्रबन्धक थाना मुलाना व पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एक अन्य आरोपी रवि कुमार निवासी गाँव सीरसगढ़ जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया । आरोपी के खिलाफ पहले भी कई अन्य मामले भी दर्ज है। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता साजिद निवासी गांव कुतुबपुर सरसावा सहारनपुर यूपी ने 18 दिसम्बर 2025 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी।

मुख्यमंत्री ने 35वीं सब जूनियर नेशनल खो-खो चैम्पियनशिप का किया उद्घाटन

हमारी भारतीय मिट्टी की खुशबू को बिखेरता है खो-खो: सैनी

- सैनी ने एसो. को 21 लाख रुपये देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खो-खो केवल एक खेल नहीं है, यह हमारी भारतीय मिट्टी की खुशबू है। यह ऐसा खेल है जो हमें सिखाता है कि संसाधनों की कमी कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। इसमें न तो महंगे उपकरणों और न ही बड़े मैदानों की आवश्यकता होती है। इसमें फुर्ती, रणनीति, टीम वर्क, अनुशासन और तीव्र निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को केशव पार्क में 35वीं सब जूनियर नैशनल खो-खो चैम्पियनशिप (लडके, लड़कियां) के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधिवत रूप से खेलों के शुभारंभ की घोषणा की तथा एसोसिएशन को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की और खिलाड़ियों से मिलकर परिचय भी लिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और राज्यसभा के सासंद सुभाष बराला ने भी खिलाड़ियों को सम्बोधित किया तथा आयोजकों को बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में खेलों के लिए एक स्पष्ट और दूरदर्शी विजन तैयार किया। इसका उद्देश्य था हर बच्चे को खेल से जोड़ना, हर गांव में खेल का मैदान विकसित करना और हर उस युवा को अवसर देना, जिसमें खेल के प्रति जुनून और क्षमता है। इसी उद्देश्य से हम प्रदेश में वर्षभर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक के लिए तैयार करने और देश को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का सपना देखा है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया जैसे अभियान इसी सोच का परिणाम हैं। हरियाणा को खेलों की नर्सरी कहा जाता है, जहां से निकले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सैनी को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

1080 खिलाड़ी पहुंचे

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक, लगभग 1080 बालक एवं बालिका खिलाड़ी यहां अपनी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करने आए हैं।

34 टीमों ने लिया हिस्सा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुझे अत्यंत हर्ष और गौरव का अनुभव हो रहा है, यह वही धरती है जहां युगों पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म, कर्तव्य और अनुशासन का अमर संदेश दिया था। इसी धरती से खो-खो जैसे भारतीय पारंपरिक खेल के माध्यम से अनुशासन, समर्पण, टीम भावना और राष्ट्र एकता का संदेश पूरे देश में गूंज रहा है। यह केवल एक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ नहीं है, बल्कि भारत की खेल संस्कृति, युवा शक्ति और उज्ज्वल भविष्य का उत्सव है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2012 में इस स्तर की प्रतियोगिता हरियाणा में आयोजित हुई थी और आज लगभग 12-13 वर्षों के बाद हम पुनः इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ के साक्षी बन रहे हैं। भारत के सभी राज्यों एवं अन्य खेल इकाइयों की 34 टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं, जो यह दशार्ता है कि खो-खो जैसे पारंपरिक खेल के प्रति देशभर में कितना उत्साह है।

पहले दिन खो-खो के खेले गए कुल 40 मैच

हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के प्रधान जवाहर सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता 5 दिन तक चलेगी और इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से टीमें आई है। पहले दिन प्रतियोगिता में कुल 40 मैच खेले जा रहे है और उद्घाटन अवसर पर चंडीगढ़ और विदर्भ के बीच मैच खेला जा रहा है। खो-खो फेडरेशन आफ इंडिया के महासचिव उपकार सिंह विर्क ने कहा कि खो-खो मिट्टी में खेला जाता था, लेकिन अब मिट्टी से लेकर अब यह खेल मैट पर खेला जाता है।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, जिलाध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच, मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेन्द्र फौगाट, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, प्रदेश सचिव राहुल राणा, खो-खो फेडरेशन आफ इंडिया के प्रधान सुधांशु मित्तल, हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के प्रधान जवाहर सिंह यादव, उपनिदेशक सुनीता खत्री, चीफ कोच आफ इंडिया डा. मुन्नी जून, महासचिव उपकार सिंह विर्क, टी. सचिव एमएस त्यागी, महासचिव महेन्द्र काम्बोज, शिक्षा विभाग से वाईएसओ सत्यवीर, खो खो एसोसिएशन के जिला प्रधान राजकुमार सैनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खेतों से गुजर रही हाईवोल्टेज तारें किसानों के लिए परेशानी

- घना कोहरा पड़ने और शीतलहर चलने से गन्ने के खेतों में बिजली का करंट आने के भय से गन्ना की नहीं की जा रही छिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। हाईवोल्टेज बिजली की तारों को दिखाता हुआ किसान।

रादौर क्षेत्र के गांव माधुबांस के किसानों के गन्ने के खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली की तारों से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही तारों से गन्ने की फसल में बिजली का करंट लगने के भय से मजदूर गन्ना छिलाई करने नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं, आए दिन चल रही शीतलहर के चलने से दोपहर के वक्त तारों में स्पार्किंग होने से फसल में आग लगने की किसानों को आशंका सताने लगी है। किसानों ने बिजली निगम के उच्चाधिकारियों से उनकी समस्या का समाधान किए जाने की मांग की है।

माधुबांस गांव निवासी किसान एवं पूर्व सेवानिवृत कानूनगो रणबीर सिंह पोसवाल ने बताया कि उनके गन्ने के खेतों के ऊपर से हाईवोल्टेज बिजली की तारें गुजर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके गन्ने के खेतों के ऊपर बिजली की तारों का जाल सा बिछा हुआ है। बिजली की तारें ढीली होने के कारण उनमें हवा चलने पर स्पार्किंग होती रहती है। वहीं, आजकल खेतों से गन्ना की फसल समेटने की प्रक्रिया चल रही है। मगर आए दिन घना कोहरा पड़ने और शीतलहर चलने से गन्ने की फसल में बिजली की करंट आने की आशंका के भय से मजदूर खेतों में छिलाई करने से डर रहे हैं। उन्होंने इस समस्या का समाधान करने के लिए कई बार संबंधित बिजली निगम के कार्यालय में तैनात अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। मगर उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। किसान रणबीर सिंह पोसवाल ने आशंका जताई कि यदि तेज हवा चली और बिजली की तारों में स्पार्किंग हो गई तो उनकी फसल में आग लगने का डर है। जिससे उन्हें लाखों रुपये का नुक्सान होने की संभावना है। वहीं, गन्ने की फसल में बिजली का करंट लगने के भय से आशंकित मजदूर यदि समय रहते गन्ने की छिलाई नहीं करेंगे तो उनकी फसल खेतों में ही खड़ी रहने की आशंका है। जिससे उन्हें भारी नुक्सान उठाना पड़ेगा। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित बिजली निगम के अधिकारियों से उनके खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों को हटाए जाने की मांग की है।

दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में भारत के चावल की भारी मांग: विजय

- गल्फ फूड मेले मे तरावड़ी के स्टालों पर विदेशी व्यापारियों का लगा तांता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में तरावड़ी शहर के चावल एक्सपोर्टरों के लगे स्टालों पर विभिन्न देशों से आए व्यापारी चावलों की किस्मों की जानकारी लेते नजर आए। तरावड़ी के गैलेक्सी इंटरनेशनल प्रा लि के एमडी विजय गोयल ने कहा कि दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में भारत के चावल की भारी मांग है। उन्होंने बताया कि वह भी दुबई में भारत से अपना स्टाल लगाने के लिए यहां पहुंचे है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी फूड्स उत्पादन लोग पसंद करते हैं। क्योंकि इनकी गुणवत्ता बेमिसाल है। उन्होंने कहा कि तरावड़ी शहर के कई चावल व्यापारियों ने वहां पर अपने-अपने चावलों के मार्के के स्टाल लगा रखे है तथा शहर के चावल व्यापारियों के लगे स्टालों पर विदेशी व्यापारियों का जमघट लगा हुआ हैं। जिनमें गैलेक्सी बासमती चावल, भारत सीरियल, भारत इंडस्ट्रीज, शिव शक्ति इंटरग्लोब, जीवी राइस मिल, जानकी दास राइस मिल, श्रीराम ग्रुप के अलावा जिला के कई चावल व्यापारियों ने दुबई में अपने-अपने चावलों के मार्के के स्टाल लगा रखे है।

हाईकोर्ट ने 94 वर्षीय बुजुर्ग को दी बड़ी राहत

» हत्या का दोष हटाकर गैर इरादतन माना

» पच्चीस वर्ष पुराने मामले में न्यायिक संतुलन का उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने करनाल से जुड़े लगभग पच्चीस वर्ष पुराने एक आपराधिक मामले में नब्बे से अधिक आयु के बुजुर्ग को बड़ी राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने हत्या के अपराध से दोषमुक्त करते हुए मामले को गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में माना और सजा को आरोपी द्वारा पहले ही जेल में बिताई गई अवधि तक सीमित कर दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में आरोपी की अत्यधिक वृद्धावस्था, लंबी न्यायिक प्रक्रिया, स्वास्थ्य स्थिति तथा पहले से भुगती गई सजा को महत्वपूर्ण आधार माना।

प्रकरण के अनुसार करनाल निवासी स्वर्ण सिंह को अपनी पुत्री के संबंधों को लेकर आपत्ति थी। दिसंबर दो हजार में इसी विषय को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जो हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान स्वर्ण सिंह द्वारा चाकू से वार किए जाने पर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी को हत्या का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी।

अचानक झड़प मामला: हाईकोर्ट ने सजा घटाकर सीमित की

उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने मामले के समस्त तथ्यों और परिस्थितियों का गहन विश्लेषण किया। न्यायालय ने माना कि घटना अचानक हुई झड़प के दौरान घटित हुई तथा अभियोजन पक्ष हत्या का पूर्वनियोजित इरादा सिद्ध करने में असफल रहा। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत हिरासत प्रमाण पत्र के अनुसार आरोपी छह वर्ष से अधिक समय तक कारावास भुगत चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश में संशोधन करते हुए सजा को उतनी ही अवधि तक सीमित कर दिया, जितनी अवधि आरोपी पहले ही जेल में काट चुका है। हालांकि, जुर्माने की राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दंड निर्धारण में अपराध के साथ-साथ मानवीय पहलुओं और आरोपी की वर्तमान स्थिति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस निर्णय को वृद्ध आरोपियों तथा लंबे समय से लंबित मामलों में न्यायिक संतुलन की महत्वपूर्ण मिसाल माना जा रहा है।

अम्बाला जिले के चारों नगर निकायों में घटी रजिस्टर्ड प्रॉपर्टी की संख्या

- तीन महीनों में हजारों संपत्तियां हुईं कम, सरकारी वेबसाइट के अपडेटेड आंकड़ों से हुआ

अंबाला। हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर हाल ही में 27 जनवरी 2026 तक अपडेट किए गए आंकड़ों ने अम्बाला जिले में एक चौंकाने वाली स्थिति उजागर की है। जिले के चारों नगर निकायों-अम्बाला नगर निगम, अम्बाला सदर नगर परिषद, बराड़ा नगरपालिका समिति और नारायणगढ़ नगरपालिका समिति में पंजीकृत संपत्तियों (रजिस्टर्ड प्रॉपर्टीज) की संख्या में बीते तीन महीनों के भीतर कमी दर्ज की गई है। वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अम्बाला जिले की एकमात्र नगर निगम अम्बाला की जनसंख्या 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई गई है, जबकि अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद की जनसंख्या इससे अधिक 2 लाख 68 हजार 976 बताई गई है। क्षेत्रफल की बात करें तो अम्बाला नगर निगम का क्षेत्रफल 67.56 वर्ग किलोमीटर और अम्बाला सदर नगर परिषद का 56.27 वर्ग किलोमीटर दर्ज है। जिले की अन्य दो नगर निकायों में बराड़ा नगरपालिका समिति की जनसंख्या 27 हजार 604 और क्षेत्रफल 13.89 वर्ग किलोमीटर, जबकि नारायणगढ़ नगरपालिका समिति की जनसंख्या 27 हजार 282 और क्षेत्रफल 8.95 वर्ग किलोमीटर दर्शाया गया है।

हाईकोर्ट ने निगम आयुक्त को अवमाना का नोटिस भेजा

- प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में करोडों के घोटाले की आरोपी कुसुम को वापस नौकरी पर नहीं रखने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पानीपत नगर निगम आयुक्त पंकज यादव को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने नगर निगम की प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में हुए 4.50 करोड़ रुपए के बड़े फर्जीवाड़े के मामले में बिना विभागीय जांच के बर्खास्त की गई संयुक्त आयुक्त की पीए कुसुम नरवाल की बहाली के आदेशों की अवहेलना करने पर यह नोटिस जारी किया है। स्मरणीय है कि नगर निगम की प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में गत वर्ष जनवरी के दौरान प्रॉपर्टी टैक्स की प्रविष्टियों में हेराफेरी कर करीब 4.50 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा सामने आया था।

इस मामले में गत वर्ष मई में विसंगति पकड़े जाने के बाद संयुक्त आयुक्त की पीए कुसुम नरवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और 19 मई को उन्हें निलंबित कर दिया गया।

वहीं नगर निगम प्रशासन ने गत वर्ष 11 सितंबर में कुसुम नरवाल को उनके व्हाट्सएप्प पर संक्षिप्त संदेश भेजकर की उनकी नगर निगम से सेवाएं समाप्त करने की जानकारी दी गई। इधर, कुसुम का दवा है कि जिस फर्जीवाडे के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया वह गत वर्ष जनवरी में हुआ था, जबकि उन्होंने निगम ने अपना पदभार गत वर्ष 20 फरवरी को संभाला था।

फर्जीवाडे की अवधि के दौरान कुसुम के पास उन बदलावों को करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक लॉगिन आईडी तक नहीं थी। कुसुम का आरोप है कि गत वर्ष कुसुम को उनसे जबरन पहले से टाइप किए गए बयान पर हस्ताक्षर करवाए गए। उन्हें बिना किसी विभागीय जांच के और बिना आदेश की प्रति दिए ही उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। इधर, हाईकोर्ट ने गत वर्ष 29 अक्टूबर को जारी अपने आदेश में कुसुम नरवाल की बर्खास्तगी के आदेश पर स्टे लगा दिया था और उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लेने का निर्देश दिया था।

चूरा पोस्त के साथ नशा तस्कर किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस करनाल की सीआईए असंध ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्यवाही सीआईए इंचार्ज उप निरीक्षक सुलिंदर सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक योगेश कुमार की अध्यक्षता में गई।

पुलिस टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए आरोपी कुलविंदर सिंह निवासी गांव शहद खेड़ी जिला पटियाला पंजाब को काबू किया गया व आरोपी के कब्जे से 1 किलो 362 ग्राम चुरा पोस्त बरामद किया गया हैं। इस संबंध में अनुसंधान अधिकारी ने जानकारी देते बताया कि आरोपियो के विरुद्ध थाना असंध करनाल में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी इस नशे की खेप को मध्य प्रदेश से आगे बचने के लिए खरीद कर लाया था। इस मामले में नशा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपियों को किया काबू

- स्कूल से घर जाते समय आरोपियों ने लड़कियों के साथ की थी छेड़छाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

व्यासपुर थाना क्षेत्र में स्कूल से घर जा रही नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में महिला पुलिस टीम ने दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस में दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार महिला थाना प्रबंधक शीलावंती ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसके पास तीन नाबालिग लड़कियां है। जो व्यासपुर सरकारी स्कूल में पढती हैं। इनके साथ उनके गांव की एक और लड़की भी पड़ती है।19 जनवरी को स्कुल की छुट्टी होने पर वह घर आने के लिए ऑटो में बैठ रही थी तो उसी समय तीन लड़के दो बाईक पर वहां खड़े थे।

जब बच्चियां ऑटो में बैठने लगी तो तीनों लड़कों ने ईशारा करते हुये उनके साथ छेड़छाड़ की। जब ऑटो वाला बच्चियां को घर छोड़ने के लिए जा रहा था तो उन्होंने रास्ते में रोककर उनके साथ दोबारा बदतमीजी की और गंदा इशारा करते हुए लड़की का हाथ पकड़ लिया।

जीआरपी की जांच पूरी होने से पहले ही कर दिया कर्मचारी का तबादला

टिकट कांउटर पर नकली नोट देने का मामला ठंडे बस्ते में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर टिकट कांउटर पर नकली नोट मिलने का गंभीर मामला अब सवालों के घेरे में आ गया है। देशद्रोह जैसी धाराओं से जुड़ा यह संवेदनशील मामला जीआरपी की जांच पूरी होने से पहले ही ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है। दो माह बीतने के बावजूद जब पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो रेलवे प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए आरोपी कर्मचारी को मेजर एस-5 चार्जशीट थमा दी और उसका तबादला कर दिया। सूत्रों के अनुसार, रेलवे की ओर से दी गई शिकायत और तथ्यों के बावजूद जीआरपी न तो आरोपी पर शिकंजा कस सकी और न ही नकली नोटों की गहन जांच को आगे बढ़ा सकी। मजबूरन रेलवे को विभागीय स्तर पर कार्रवाई करनी पड़ी। चार्जशीट के तहत 90 दिन के भीतर विभागीय जांच पूरी की जाएगी, जिसमें शिकायतकर्ताओं के बयान, नकली नोट और शिकायत की प्रतियां सबूत के तौर पर शामिल की जाएंगी।

निलंबन खत्म कर आरोपी का किया तबादला

रेलवे ने लगभग दो माह तक निलंबित रहने के बाद और जीआरपी की रिपोर्ट न मिलने पर आरोपी कर्मचारी को बहाल कर दिया गया है। हालांकि इस बार उसे टिकट काउंटर की जगह से हटाकर पॉवर लॉबी में तैनात किया गया है, जहां वह ट्रेनों की उद्घोषणा का कार्य करेगा। बताया जा रहा है कि यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि कर्मचारी का सीधा संपर्क यात्रियों से न हो और मामला और न भड़के।

क्या था पूरा मामला

बीते एक दिसंबर की रात करीब 9 से 10 बजे अंबाला कैंट स्टेशन के यूटीएस काउंटर पर कुछ प्रवासी श्रमिक जनरल टिकट लेने पहुंचे थे। उन्होंने 500 रुपये का नोट दिया, जिसे काउंटर पर बैठे कर्मचारी ने नकली बताकर लौटा दिया। इसी तरह तीन अन्य लोगों के नोट भी नकली कहकर वापस कर दिया। पीड़ितों ने पहले उप स्टेशन अधीक्षक (ऑपरेटिंग) से शिकायत की, लेकिन जब कोई समाधान नहीं हुआ, तो इसके बाद मामला वाणिज्य विभाग तक पहुंचा। शिकायत मिलते ही विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां आरोपी कर्मचारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक को सूचना दी गई, जिसके बाद कर्मचारी को तत्काल टिकट काउंटर से हटा दिया गया। पीड़ितों को असली नोट देकर रवाना किया गया और उनसे लिखित शिकायत ली गई। ऐसे में अब चर्चा यह भी है कि नकली नोट जैसा गंभीर मामला होने के बावजूद न तो जीआरपी ने समय पर ठोस कार्रवाई की और न ही आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए गए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या मामला दबाने की कोशिश हुई या फिर जांच में लापरवाही बरती गई।

नहीं आए शिकायतकर्ता

जीआरपी दो बार बयान लेने के लिए बिहार गई थी। इसके अलावा फोन पर भी कई बार बात की गई, लेकिन शिकायतकर्ता नहीं आए। उन्हें अंबाला बुलाने के प्रयास जारी हैं वो जैसे ही आएंगे तो नियमानुसार मामले में आगामी कार्रवाई जाएगी।

-हरीश कुमार, प्रभारी जीआरपी, अंबाला।

नहीं निकला कोई निष्कर्ष

जीआरपी को रेलवे की तरफ से शिकायत दी गई थी और मामले से जुड़े तथ्य भी पेश किए गए थे। लेकिन दो माह बाद भी जीआरपी की जांच किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। इसलिए आरोपी कर्मचारी को मेजर एस-5 चार्जशीट दी गई है।

-एनके झा, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, अंबाला मंडल।

खबर संक्षेप

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन थियेटर शुरू

घरौंडा। घरौंडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अब गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए करनाल या पानीपत नहीं जाना पड़ेगा। सामुदायिक केंद्र में ऑपरेशन थियेटर की सुविधा की विधिवत शुरुआत कर दी गई है। इससे क्षेत्र की महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित नए ऑपरेशन थियेटर में डॉक्टरों की टीम ने पहली बार ऑपरेशन के माध्यम से सुरक्षित डिलीवरी कराई।

सम्मेलन में वकीलों के अधिकारों पर मंथन

करनाल । ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की करनाल इकाई का त्रिवार्षिक सम्मेलन करनाल बार रूम में संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे हालात में देश की जनता की आशाएँ न्यायपालिका पर टिकी हुई हैं। न्यायपालिका को लोकतंत्र की रक्षा के लिए और अधिक सक्रिय, निर्भीक और संवेदनशील भूमिका निभानी चाहिए। हरियाणा के लिए पृथक उच्च न्यायालय तथा अलग बार काउंसिल की मांग को मजबूती से उठाने पर बल दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क ने ली समीक्षा बैठक, बोले

अवैध माइनिंग, शराब बिक्री, बिजली चोरी की रोकथाम हमारी प्राथमिकता

पुलिसकर्मियों की निजी व पारिवारिक समस्याओं के निदान की होगी पहल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के करनाल और रोहतक रेंज के आईओ की समीक्षा बैठक हरियाणा पुलिस अकादमी परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि अबैध माईनिंग और अबैध शराब की बिक्री की रोकथाम हमारी पहली प्राथमिकता है।

अभियान चलाकर बिजली चोरी रोकनी हमारी प्राथमिकता में होनी चाहिए। तभी हम उन उपभोक्ताओं के प्रति न्याय कर पायेंगे जो उपभोक्ता बिजली खरीद कर प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खनीज विभाग के अधिकारियों के साथ हमें समय-समय पर रेत स्टाक की चेकिंग करनी होगी। उन्होंने कहा कि टाऊन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कम से कम समय में अनुसंधान कार्यो को निपटान करना होगा। सभी को सख्त हिदायत देते हुए ए डी जी पी ने कहा कि सभी कर्मचारियों को कर्तब्यपरायणता, ईमानदारी और पारदर्शिता को अपनी कार्य संस्कृति में अनिवार्य करना होगा।

समय-समय पर संबंधित विभागों टाऊन एण्ड कण्ट्री प्लानिंग, बिजली विभाग, सिचाई विभाग, खनिज विभाग, आबकारी विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित बैठक आयोजित कर समस्याओं का निदान करना होगा।

करनाल। बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क।

कल्याण की विविध योजनाएं

बैठक में एडीजी नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि हमने अभी सभी ब्यूरो के सभी पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया था जिसके फीड बैक को आधार में रखकर हम पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए विविध योजनाएं बना रहे हैं जिसमें नियमित हेल्थ चेकप, जिन पुलिसकर्मियों के माता-पिता एवं पारिवारिक सदस्यों की देखभाल की आवश्यकता होगी उन्हें गृह जनपद के नजदीकी जिलों में नियुक्ति दी जायेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्यक्षमता के प्रदर्शन को आधार बनाते हुए अच्छा कार्य करने वाले आई ओ और थाना प्रबंधकों को और अधिक जिम्मेदारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि जिनका कार्य बेहतर एवं पारदर्शी नहीं होगा उनकी कार्य समीक्षा करके ब्यूरों से संबंधित जिलों में वापस कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान किसी भी पारिवारिक जिम्मेदारी के लिए अवकाश प्रदान करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में नये थाने बनाये गये हैं वहां पर बुनियादी सुविधाओं के साथ बेहतर फर्निचर, कम्प्यूटर एवं अन्य कार्यालयी आवश्यकताओं को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जायेगा।

बैठक में ये रहे उपस्थित

हरियाणा पुलिस अकादमी करनाल में आयोजित बैठक में करनाल और रोहतक रेंज के जिलों के थाना प्रबन्धकों, अतिरिक्त थाना प्रबन्धकों नेबैठक में हिस्सा लिया। उप पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह और प्रवीण कुमार के साथ करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर, रोहतक, भिवानी, कैथल, चरखीदादरी के थाना प्रबन्धकों, अतिरिक्त थाना प्रबन्धकों के साथ सभी आई ओ ने अपने-अपने अनुभव और विचारों को साझा किया।

खबर संक्षेप

बुजुर्ग महिला से पर्स छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

करनाल। करनाल के इन्द्री क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से पर्स छीनने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा सीआईए टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने महिला से नकदी और मोबाइल छीनने तथा मोबाइल को नहर में फेंकने की बात कबूल की है, जिसकी बरामदगी की प्रक्रिया जारी है। पुलिस के अनुसार 22 जनवरी की शाम इन्द्री सिविल अस्पताल के सामने गांव गोरगढ़ निवासी सर्वजीत कौर पत्नी दविन्द्र सिंह से दो युवकों ने पर्स छीन लिया था। पर्स में नकद राशि, मोबाइल फोन, पहचान पत्र और जरूरी दवाइयां थीं। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच अपराध शाखा को सौंपी गई। जांच अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जैनपुर नहर की पटरी से दोनों आरोपियों अंकित और बजिंद्र को काबू किया। पूछताछ में दोनों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कैंटर में भरे गोवंश पकड़े, 21 में से 8 की मौत

करनाल। करनाल जिले के असंध थाना क्षेत्र में गौरक्षक दल और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गौवंश से भरा एक कैन्टर पकड़ा गया। वाहन में 21 गौवंश ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे, जिनमें से 8 की मौत हो चुकी थी। सभी पशुओं के मुंह और पैर बंधे हुए थे। पुलिस ने मौके से वाहन चालक और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। गौरक्षक दल को सूचना मिली थी कि पंजाब की ओर से गौवंश को अवैध रूप से ले जाया जा रहा है। पीछा किए जाने पर चालक ने रफ्तार बढ़ा दी, लेकिन टायर पंचर होने से वाहन रुक गया। चालक मौके पर पकड़ा गया, जबकि दूसरा आरोपी खेतों से दबोचा गया। पुलिस ने जीवित गौवंश को गौशाला भिजवाया, जहां पशु चिकित्सक द्वारा जांच की गई। मृत गौवंश का पोस्टमार्टम कर नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में अन्य संलिप्त लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया।

घरौंडा अस्पताल में पहली सिजेरियन डिलीवरी सफल

करनाल। घरौंडा के सरकारी अस्पताल में शुरू किए गए नए ऑपरेशन थियेटर में पहली बार सिजेरियन डिलीवरी सफलतापूर्वक की गई। वार्ड नंबर दो निवासी प्रियंका पत्नी रविंद्र कुमार ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। जटिल स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने समय पर सिजेरियन का निर्णय लिया, जिससे जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित रहे। डॉक्टरों के अनुसार गर्भावस्था अधिक समय की हो चुकी थी और महिला का कद छोटा होने के कारण सामान्य प्रसव में जोखिम था। विशेषज्ञ टीम ने सभी आवश्यक तैयारियों के साथ सिजेरियन डिलीवरी की, जो पूरी तरह सफल रही। इस उपलब्धि से अस्पताल स्टाफ और परिजनों में खुशी का माहौल रहा। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि अब घरौंडा क्षेत्र के लोगों को सिजेरियन डिलीवरी के लिए बाहर रेफर नहीं किया जाएगा, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। भविष्य में आपात स्थिति के लिए भी सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

संत गुरु रविदास सभा ने निकाली शोभायात्रा

इंद्री । संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में संत गुरु रविदास सभा इंद्री द्वारा कस्बे में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई । इस शोभायात्रा में संत गुरु रविदास जी की झांकियां, बैंड बाजे व शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे पंच प्यारे शोभा यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे । सभा प्रधान मास्टर बलराज चहल ने बताया कि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में कस्बे में पिछले 11 दिनों से सुबह प्रभात फेरी निकाली जा रही थी शनिवार को कस्बे में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई । यह शोभायात्रा गुरु रविदास मंदिर से शुरू होकर कस्बे के बाजारों से होती हुई गुरु रविदास मंदिर मे पहुंची । इस दौरान लोगों ने जगह - जगह गुरु का लंगर लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया । उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह 9 बजे हवन यज्ञ, दोपहर 11 बजे से गुरु का लंगर चलेगा । इस मौके सभा सदस्य संजीव कुमार, प्रवीण कुमार, सतपाल जास्ट, भारत भूषण, राकेश सरोहा, बलदेव सिंह, रामेश्वरदास, अविलाश, रिंकू, ओमप्रकाश व विजयपाल सहित काफी संख्या में महिलाएं, पुरुष व बच्चे शामिल रहे । इंद्री 2 इंद्री मे संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभायात्रा ।

तरावड़ी। वेजिटेबल और फ्रूट्स गतिविधि में भाग लेते गीता स्कूल के छात्र।

स्कूल में करवाई वेजिटेबल और फ्रूट्स गतिविधि

तरावड़ी । गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वेजिटेबल और फ्रूट्स गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें एलकेजी, यूकेजी और प्रथम कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस गतिविधि में बच्चों को विभिन्न प्रकार की सब्जियों और फलों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें मौसम के अनुसार कौन-कौन से फल और सब्जियां खानी चाहिए, उनके रंग, स्वाद और महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों को मोल-भाव और तोल के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों ने स्वयं फल और सब्जियों को खरीदने में रुचि दिखाई। बच्चों ने फल और सब्जियों पर अनेक कविताएं भी सुनाई। नन्हे-मुन्ने बच्चों का इस गतिविधि में भाग लेना बहुत ही उत्साहवर्धक था। विद्यालय की प्रधानाचार्या रागिनी राय ने बताया कि इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को सब्जियों और फलों के महत्व के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यह गतिविधि बच्चों के लिए एक अच्छा अवसर है कि वे सब्जियों और फलों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उन्हें अपने दैनिक जीवन में शामिल करें।

37 वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवा के बाद सुखबीर सिंह हुए सेवानिवृत

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज के कर्मचारी सुखबीर सिंह 37 वर्ष तक सेवाएं देने के बाद सेवा निवृत हो गए। उनके सेवा मुक्त होने पर कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवर जीत सिंह प्रिंस ने अपने संदेश में कहा कि सुखबीर ने निष्ठा ईमानदारी और लगन से कॉलेज की सेवा की है और आज उनके सेवा मुक्त होने पर उनको शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। इस अवसर पर कॉलेज में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रबंधन समिति प्राचार्य तथा स्टाफ ने भाग लिया और सुखबीर सिंह को बधाई दी। कॉलेज प्रबंधन समिति के महासचिव सरदार सुरिंदर पाल सिंह पसरिचा ने कहा कि कॉलेज परिवार सुखबीर को उनकी बहुमूल्य सेवाओं के लिए हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि सुखबीर ने कॉलेज में हमेशा सेवा की है।

एसएमएस पब्लिक स्कूल में श्रद्धा व उत्साह से मनाई रविदास जयंती

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तरावड़ी

एसएमएस पब्लिक स्कूल में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। विद्यार्थियों ने भाषण एवं कविताओं के माध्यम से गुरु रविदास जी के जीवन दर्शन, सामाजिक समानता, जाति-भेद के विरोध और मानवता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय प्राचार्या डॉ विभा कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु रविदास जी के विचार आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं और भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति प्रेम व सम्मान की भावना रखनी चाहिए।इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने भजन, कविता एवं विचार प्रस्तुति के माध्यम से गुरु रविदास जी के जीवन, उनके उपदेशों और समाज सुधार में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। बच्चों को बताया गया कि गुरु रविदास जी ने समता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। विद्यालय के प्रबंधक गुरशरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास होता है और वे महान संतों के आदर्शों से प्रेरणा लेते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने गुरु रविदास जी के आदर्शों पर चलने और समाज में समानता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

तरावड़ी। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल स्टाफ व बच्चे।

नशामुक्त भारत अभियान : कुंजपुरा में पुलिस व डॉक्टर टीम ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस करनाल की नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव कुंजपुरा में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुंजपुरा (करनाल) में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों, गांव के बच्चों, महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति टीम ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य को भी अंधकार की ओर ले जाता है। टीम ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में अपना समय लगाएं।

इस अवसर पर डॉक्टर टीम से हर्ष कुमार द्वारा नशे के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कि मानसिक रोग, लीवर, हार्ट, फेफड़ों व तंत्रिका तंत्र पर पडने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर देता है और कई बार जानलेवा भी साबित होता है।

करनाल। नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए।

सूर्य नमस्कार से शरीर रहता है निरोग : स्वतंत्र

करनाल । हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य के निर्देशन में प्रदेश भर में 12 फरवरी महर्षि दयानंद जयंती तक चलाए जा रहे सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत करनाल योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन व युवा भारत के सौजन्य से आज स्वतंत्रता सेनानी राम शरण आर्य राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रेम नगर में सूर्य नमस्कार करवाया गया। जिला कॉर्डिनेटर अश्विनी मिश्रा ने लगभग 500 बच्चों को सूर्यनमस्कार एवं आसनों का अभ्यास करवाया। जिला सचिव स्वतंत्र कुकरेजा ने संबोधित करते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार से शरीर निरोग रहता है और व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर पर्यावरण प्रभारी विवेक शर्मा, नितिन खन्ना, जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र आर्य , अजय आर्य , रोशन आर्य , रुचिका आर्या , अध्यापिका मोहनी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

तरावड़ी में उमड़ा श्रद्धा व भक्ति का सैलाब

गुरु रविदास जयंती पर पालकी का आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तरावड़ी

संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती के पावन अवसर पर तरावड़ी नगर में श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। वार्ड नंबर 5 स्थित गुरु रविदास मंदिर से भव्य नगर कीर्तन एवं विशेष झलक पालकी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह विधिवत पूजा-अर्चना के साथ गुरु रविदास मंदिर प्रांगण से हुई। इसके पश्चात गुरु रविदास जी की आकर्षक झांकी एवं फूलों से सजी पालकी नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर पालकी का स्वागत किया गया। नगर कीर्तन में महिलाओं की टोलियों ने विशेष भूमिका निभाई। श्रद्धालु महिलाएं गुरु भजनों एवं भक्ति गीतों का गायन करती हुई आगे बढ़ती रहीं। श्रद्धा भाव से महिलाओं ने पालकी के मार्ग पर झाड़ू लगाकर एवं जल छिडक़ाव कर रास्तों को स्वच्छ किया, जो सेवा, समर्पण और सामाजिक चेतना का जीवंत उदाहरण बना। रंग-बिरंगी झांकियों के माध्यम से गुरु रविदास जी के जीवन, उनके उपदेशों और सामाजिक समरसता के संदेश को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। नगर कीर्तन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढक़र भाग लिया, जिससे पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

तरावड़ी। गुरु रविदास की आकर्षक झांकी व शोभा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

कार्यक्रम | राजकीय महाविद्यालय में अंतर जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचारी मॉडल

- विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए : महापौर रेणु

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा विभाग के तत्वावधान में अंतर जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि करनाल नगर निगम की महापौर रेणु बाला गुप्ता रहीं। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा दीप प्रज्वलन कर प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को सशक्त बनाते हैं और उनमें अनुसंधान की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करते हैं।

महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि वर्तमान युग विज्ञान और तकनीकी प्रगति का युग है। विज्ञान ही मानव जीवन का आधार है और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

करनाल | विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के मॉडल का अवलोकन करतीं महापौर।

इन कॉलेजों की रही सहभागिता

प्रदर्शनी में करनाल और पानीपत जिलों के राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण, स्मार्ट तकनीक, स्वास्थ्य विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी के संयोजक एवं उप प्राचार्य डॉ. जरनैल सिंह ने सफल आयोजन के लिए समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। सह संयोजक प्रोफेसर रंजीत सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना तथा विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ना है। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रोफेसर नवीन बत्रा द्वारा किया गया।

शहीदों की स्मृति में स्वामी भीष्म लाइब्रेरी के पाठकों ने रखा दो मिनट का मौन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| घरौंडा

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे प्रदेश में दो मिनट का मौन रखा। इसी कड़ी में घरौंडा नगर पालिका द्वारा संचालित स्वामी भीष्म पुस्तकालय में सभी पाठकों द्वारा दो मिनट का मौन रख कर स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लाइब्रेरियन संदीप लोहट ने बताया कि राज्य सरकार ने समस्त शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर यह कार्यक्रम के आदेश जारी किए। नगर पालिका सचिव रविप्रकाश शर्मा के निर्देश पर लाइब्रेरी में कार्यक्रम किया गया।

लोहट ने कहा कि 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा।' शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और उनके बलिदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हमारे अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी, ताकि हम एक स्वतंत्र और समृद्ध भारत में रह सकें। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए शहीदों के महान त्याग और बलिदान से ही हमें आजादी मिली है। इसलिए हमें राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए यही शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

खबर संक्षेप

बिजली कर्मी से 1.10 लाख रुपये ठगे

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर-24 निवासी उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम के कर्मचारी दीपक कुमार को झांसे में लेकर साइबर अपराधियों ने उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 1.10 लाख निकाल लिए। साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का लालच देकर दीपक के फोन में एक संदिग्ध फाइल डाउनलोड करवाई थी। जैसे ही दीपक ने उस फाइल को डाउनलोड किया, उनका मोबाइल फोन अचानक हैंग हो गया और स्क्रीन ने काम करना बंद कर दिया। कुछ देर बाद जब फोन सामान्य हुआ, तो उनके पास बैंक से पैसे कटने के मैसेज आए। दीपक की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशे के विरुद्ध लोगों को किया जागरूक

पानीपत। पानीपत पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता अभियान चलाए हुए है। इसी कड़ी में जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को बसाडा, सिंबलगढ़ व बुढनपुर गांव में डोर टू डोर जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों बारे बताकर नशे के खिलाफ जागरूक किया। पुलिस टीम ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान रखें और उनके साथ खुलकर संवाद करें।

पार्ट टाइम का झांसा देकर 1.50 लाख ठगे

पानीपत। पानीपत के गांव सनौली निवासी सचिन को साइबर ठगों ने पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर उनके बैंक खाते से डेढ लाख रुपये की निकासी कर ली। सचिन ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके व्हाट्सएप पर ग्लोबलाइजेशन पार्टनर्स कंपनी में पार्ट टाइम जॉब का ऑफर मिला था। वहीं, ठगों ने सचिन को विश्वास में लेने के लिए एक वेबसाइट पर उसकी आईडी बनवाई और उसे नगदी का रिचार्ज करने पर कमीशन दिया। कमीशन मिलने के चलत सचिन ठगों के जाल में फंस गया और ठगी का शिकायर हो गया। साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज धार हथियार से प्रहार कर घायल किया

पानीपत। पानीपत की जाटल रोड क्षेत्र की कश्यप कॉलोनी स्थित देव क्लिनिक में शुक्रवार की रात को वार्ड बॉय आकाश मूल निवासी मुजफ्फरनगर, उत्तर पदेश पर बंटी नामक युवक ने शराब के नशे में तेज धार हथियार से प्रहार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इधर, क्लिनिक के सचालक देवेंद्र ने घायल आकाश को सिविल अस्पताल ले गया। जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद आशाक को चिकित्सकों ने पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। इधर, पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट ने निगम के विरुद्ध स्टे दिया

पानीपत। पानीपत नगर निगन में सुखदेव नगर में 12 ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालयों को अवैध निर्माण और रिहायशी इलाके में अवैध रूप से ट्रांसपोर्ट चलाने का दोषी मानते हुए बिल्डिंग गिराने का आदेश दिया था। वहीं, ट्रांसपोर्टर, नगर निगम के आदेशों के विरुद्ध अदालत में चले गए थे। वहीं, अदालत ने अपीलकर्ता ट्रांसपोर्टरों को राहत देते हुए नगर निगम की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है।

पुलिस ने चोरी के तीन आरोपी पकड़े

पानीपत। एंटी व्हीकल थेप्ट पुलिस टीम ने वधावाराम कॉलोनी में घर के बाहर से ई रिक्शा चोरी करने वाले तीन आरोपियों प्रिंस उर्फ चीचू पुत्र सतबीर निवासी पारा मोहल्ला कालोनी व नितिन पुत्र अंकुश निवासी रामलीला पडाव कालोनी, रोहतक व सन्नी पुत्र सतीश निवासी गांव भंभेवा जिला झज्जर को गिरफ्तार किया है। थानेदार राकेश ने बताया कि ई रिक्शा चोरी की उक्त वारदात बारे थाना तहसील कैंप में वधावाराम कॉलोनी निवासी नीलम पत्नी सुशील की शिकायत पर केस दर्ज है।

अधिकारियों का दावा: सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें काम कर रही

छात्राओं के लिए अगल से शौचालय और सेनेटरी पैड स्कूलों में उपलब्ध

विकास चौधरी ▶▶ पानीपत

पानीपत। गांव रजापुर स्थित राजकीय स्कूल में लगी सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन। फोटो : हरिभूमि

सुप्रीम कोर्ट द्वारा देशभर के सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने और लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देशों के बाद हरिभूमि ने जिले में राजकीय व निजी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों की पड़ताल की। वहीं, अधिकतर स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग से शौचालय व सेनेटरी पैड व्यवस्था उपलब्ध है। जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिले में कुल 98 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं, जहां सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों का दावा है कि सभी मशीनें वर्तमान में सुचारु रूप से कार्य कर रही हैं।

जरूरत पड़ने पर छात्राओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अलावा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की ओर से भी समय-समय पर स्कूलों में निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए जा रहे हैं। वहीं, पानीपत में निजी स्कूलों में भी सेनेटरी पैड की व्यवस्था की गई है। निजी स्कूल के संगठन की देखरेख कर रहे बिजेंद्र मान ने बताया कि सीबीएसई व निजी स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड दिए जाते हैं। साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के तहत एनजीओ द्वारा छात्राओं को नियमित रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाते हैं।

स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय है। वहीं, स्कूलों में छात्राओं को उम्र बढ़ने के साथ शरीर में बदलाव, मासिक धर्म, स्वच्छता, एनीमिया, ओरल हैल्थ आदि के प्रति जागरूक किया जाता है, विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दिलवाई जाती है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में मशीन की आवश्यकता नहीं

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी परविंदर कौर ने बताया कि विभाग की ओर से किशोरियों और महिलाओं के लिए समय-समय पर सेनेटरी पैड वितरित किए जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें नहीं लगाई गई हैं, क्योंकि आंगनबाड़ी केंद्रों में छह वर्ष तक के बच्चे आते हैं, ऐसे में वहां वेंडिंग मशीन की आवश्यकता नहीं है।

छात्राओं को लेकर शिक्षा विभाग गंभीर

जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा ने कहा कि विभाग छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप सभी स्कूलों में सेनेटरी पैड और शौचालयों की व्यवस्था की गई है और इसकी नियमित निगरानी भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगी है और जहां नहीं है वहां स्कूल प्रशासन, छात्राओं को उनकी मांग के अनुसार सेनेटरी पैड निशुल्क उपलब्ध करवाता है। उन्होंने बताया कि छात्राओं को शारीरिक परिवर्तन, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि के प्रति जागरूक कार्यक्रम राजकीय स्कूलों में चलाए जाते है।

कांग्रेस ने जनता को हमेशा गुमराह किया : भट्ट

भाजयुमो के जिला सचिव बने रामदास त्यागी को नियुक्ति पत्र सौंपा

“ युवा वर्ग को अधिक से अधिक संख्या में पार्टी से जोड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। भाजपा जिलध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, रामदास त्यागी को नियुक्ति पत्र देते हुए।

भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की निष्काम सेवा कर रही है। जबकि कांग्रेस ने अपनी सरकारों के दौरा जनता को सिर्फ वोट बैंक समझा और समाज के हर वर्ग का शोषण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राजनीति में परिवारवाद को बढ़ावा देकर भ्रष्टाचार, अपराध व बेरोजगारी के ग्राफ को बढ़ाया है। दुष्यंत, भाजयुमो में नवनियुक्त जिला सचिव रामदास त्यागी एडवोकेट को नियुक्ति पत्र देकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। जबकि त्यागी ने कहा कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए जनता की निष्काम सेवा करते हुए युवा वर्ग को अधिक से अधिक संख्या में पार्टी से जोड़ेंगे। इस अवसर पर भाजयुमो के जिलाध्यक्ष अमित पंडित, संदीप देशवाल, श्रीराम कौशिक, गंगा राम स्वामी, बलवान कांगड़ा, सोनू, राजेश, राजपाल, सुरेश, महाबीर आदि भाजपा नेता उपस्थित रहे।

बैंक फ्रॉड के चार आरोपी भगौड़े घोषित

पानीपत। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी डॉ. तरुण कुमार वर्मा की अदालत ने एचडीएफसी बैंक से फ्रॉड करने के चार अलग अलग मुकदमों में आरोपियों आशीष कुमार निवासी डेरा सोहन लाल, दूसरे केस में आरोपी गुरजंत सिंह निवासी गांव किरमच, जिला कुरुक्षेत्र, तीसरे केस के आरोपी दीपक कुमार सेठी निवासी गांव माजरा, जिला यमुनानगर, चौथे केस के आरोपी जसबीर सिंह निवासी गांव भांबरभेड़ी, तहसील असंध, जिला करनाल को भगोड़ा घोषित करते हुए संबंधी थाना पुलिस को उनके खिलाफ कानूनी आदेशों की अवहेलना करने पर नया मुकदम दर्ज करने व इनकी संपत्ति की कुर्की की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए है। आरोपी कोर्ट में अपनी पेशी की तारिखों पर पेश नहीं हुए और ना ही इनकी ओर से इनके अधिवक्ता पेश हुए। डॉ. वर्मा की अदालत ने पाया कि आरोपी जानबूझकर कानून की गिरफ्त से भाग रहा है, इसलिए उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

एसआई बलबीर रिटायर हुए

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 18 निवासी हरियाणा पुलिस में सब इस्पेंक्टर बलबीर सिंह फौर 35 साल की नौकरी के बाद सेवानिवृत्त हो गए। वहीं, सेवानिवृत्ति पर फौर को उपहार देकर सम्मानित भी किया और भगवान से उनके अच्छे स्वस्थ्य व लंबी उम्र की कामना की। बलबीर पांच मई सन 1991 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे।

भाई को पीटने वाला पकड़ा

पानीपत। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस ने सिवाह गांव में बड़े भाई जयपाल को डंडे से गंभीर चोट मारने के आरोपी बिजेंद्र को गिरफ्तार किया है। थानेदार सुभाष ने बताया कि इस मामले में घायल जयपाल की पत्नी मुकेश की शिकायत पर केस दर्ज है।

किसान हितैषी है सैनी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार

पानीपत। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव दिनेश पुजारा ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। हरियाणा का किसान सम्मान के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है। मौजूदा समय में 24 से भी ज्यादा फसलों को एमएसपी पर खरीद कर किसानों की आय को दोगुना करने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर रमेश खन्ना, विशु सैनी, ईश्वर मराठा, पवन खंडरा, अजनीश कुमार व बॉबी कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत की तरक्की का आधार है विज्ञान

पानीपत। इंडोलॉजी पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

- इंडोलॉजी पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

इंडोलॉजी पब्लिक स्कूल गांव सींक में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। प्रदर्शनी में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी के दौरान विद्यालय द्वारा सभी अभिभावकों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। अभिभावकों ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों को देखा और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने हाइड्रोलिक सिटी, पाट्र्स ऑफ प्लांट्स, आवर एनवायरनमेंट, ह्यूमन हार्ट, लंग्स तथा एयर एंड वॉटर पॉल्यूशन जैसे महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक विषयों पर आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। स्कूल के डायरेक्टर रोहित हुड्डा व प्रिंसिपल ज्योति हुड्डा ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि विज्ञान प्रदर्शनियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और आत्मविश्वास को विकसित करती हैं। विज्ञान भारत की तरक्की का आधार है।

बाल विवाह व श्रम के विरुद्ध जनता को जागरूक किया

पानीपत। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा पानीपत के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करने के लिए सौ दिवसीय अभियान के तहत शनिवार को बाल विवाह मुक्ति रथ के माध्यम से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिवाह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ब्वॉयज सिवाह, बस स्टैंड सिवाह, मंदिर और गुरुद्वारे में नागरिकों को बाल विवाह, बाल श्रम के विरूद्ध जागरूक किया गया। वहीं, एमडीडी ऑफ इंडिया जिला समन्वयक संजय कुमार ने बताया कि समाज के हर वर्ग को बाल विवाह की बुराई के विरुद्ध व इसके कानून के बारे में लोगों को जागरूक कर रहा है। दूसरी ओर, बाल विवाह के विरूद्ध विद्यार्थियों व नागरिकों के शपथ दिलवाई गई।

अपनी वाक शक्ति को मजबूत करें विद्यार्थी

पानीपत। डीएसपीएस की प्राचार्या डॉ. विनीता तोमर के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

- दयाल सिंह स्कूल में आयोजित हुई अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता
- विजेताओं को प्राचार्या डॉ. तोमर ने उन्हें पुरस्कृत किया

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता हुई। वहीं, प्राचार्या डॉ. विनीता तोमर ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है, उनके अंदर संघर्ष करने की भावना बढती है। उन्होंने कहा कि मनोबल व संघर्षशीलता विद्यार्थियों की सफलता की राह बनाती है। वहीं, हर विद्यार्थी की वाक शक्ति अच्छी होनी चाहिए। जिन विद्यार्थियों की वाक शक्ति मजबूत होती है उनका हर क्षेत्र में प्रभाव बढता है। इधर, प्रतियोगिता में कार्तिक, आशी, आरूष, अंशी, चित्रा, हर्षित, रिधि, चारूल, सान्वी, डेविड, वैभव, आरिणी, अन्नया, लवण्या, हिमानी, धैर्य, कुशाग्रा, हिमांशी, आन्या, परिधि, जीविका, पूर्वाशा आदि विजेता रहे। विजेताओं को प्राचार्या डॉ. तोमर ने उन्हें पुरस्कृत किया।

पानीपत। आचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक, जागरूकता रैली को रवाना करते हुए।

विद्यार्थियों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली निकाली

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में युवा नशा विरोधी क्लब द्वारा क्लब के संयोजक अजय पाल सिंह के निर्देशन में नशीले पदार्थों एवं तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली को कॉलेज की प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली कॉलेज से प्रारंभ होकर पूरे परिसर का भ्रमण करती हुई जीटी रोड से होकर पालिका बाजार तक पहुंची। रैली के मध्याम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इधर, प्राचार्या डॉ. मलिक ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस अवसर पर उपप्राचार्या डॉ.किरण मदान, डॉ.शर्मिला यादव, डॉ.निर्मला, राहुल कुमार, अजय कुमार, डॉ.सुनीत शर्मा, डॉ.निधान सिंह, डॉ.विक्रम कुमार, डॉ.पवन कुमार, डॉ.प्रवीण कुमार, अश्वनी कुमार, ममता, विष्णु आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में नशे के विरुद्ध विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

- नशे की लत युवाओं में गंभीर समस्या बन चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। कार्यक्रम में नशे के विरुद्ध शपथ लेते हुए टीचर्स व स्टूडेंट्स।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान जो एक आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था है, इस संस्थान के बोध प्रकल्प के तहत नशा मुक्ति को लेकर कार्यक्रम किए जा रहे है। वहीं शनिवार को राजीव कॉलोनी स्थित श्री नवयुग विद्या मंदिर स्कूल में विद्यार्थियों को साध्वी बहनों द्वार नशे की लत से दूर रहने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा नशे की लत युवाओं में गंभीर समस्या बन चुकी है। वहीं हर तरह का मादक पदार्थ मानव शरीर के लिए बहुत ही घातक है। नशे की लत से इंसान का जीवन बर्बाद हो जाता है। नशाखोरी से सामाजिक व आर्थिक नुकसान होने के साथ देश की तरक्की भी बाधित होती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को नशे की लत से दूर रहना चाहिए। वहीं, यदि कोई व्यक्ति नशे की लत का शिकार है तो उसे उपचार के लिए राजकीय अस्पतालों में ले जाए, उनका उपचार निशुल्क किया जाता है।

श्री विश्वकर्मा पांचाल सभा के प्रधान बने रोहतास

पानीपत। श्री विश्वकर्मा पांचाल सभा नवनियुक्त पदाधिकारी प्रसन्न मुद्रा में।

- चुनाव विपिन पांचाल व डा. इंद्रपाल पांचाल की देखरेख में हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

श्री विश्वकर्मा पांचाल सभा, हरि सिंह कॉलोनी का त्रिवार्षिक चुनाव में प्रधान पद के प्रत्याशी रोहतास पांचाल ने अपने प्रतिद्वंदी सुनील पांचाल को 31 मतों से पराजित कर प्रधान पद पर जीत दर्ज की। वहीं, उप प्रधान मांगेराम पांचाल ने ऋषिपाल पांचाल को 36 मतों से, सुरेश पांचाल ने ममता रानी को 35 मतों से, महासचिव रविंद्र पांचाल ने विनोद बिट्टू को 44 मतों से, सचिव पद पर बबलू पांचाल ने जितेंद्र कलसी को 25 मतों से, कोषाध्यक्ष विजेंद्र पांचाल ने जयपाल पांचाल को 12 मतों से हराकर जीत हासिल की। चुनाव विपिन पांचाल व डा. इंद्रपाल पांचाल की देखरेख में हुआ। वहीं, निर्वाचित प्रत्याशियों ने भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजन कर आशीर्वाद लिया। जबकि प्रधान रोहतास पांचाल ने कहा कि चुनाव के साथ राजनीति खत्म, वहीं वे अपनी टीम के साथ पांचाल समाज की तन, मन, धन से सेवा करेगे। विजेताओं ने पूर्व प्रधान इसम पांचाल, चेयरमैन विनोद पांचाल, गोहाना रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान राजकुमार पांचाल माजरी समेत सभी सहयोगियों का आभार जताया।

इस अवसर पर राजेंद्र पांचाल भंडारी, डा. धर्मपाल पांचाल, राम मेहर पांचाल, राजमल पांचाल, बाबूराम पांचाल, बलराज पांचाल, जसमेर पांचाल, सोमपाल पांचाल फोरमैन, विकास पांचाल, जितेंद्र कंडेला आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के ज्ञान, तर्क, मेहनत का ध्यौतक है क्विज : डॉ. अरोड़ा

क्विज प्रतियोगिता में एसडी पीजी कॉलेज रहा प्रथम

विजेता टीम को चालीस हजार रुपये का पुरस्कार दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

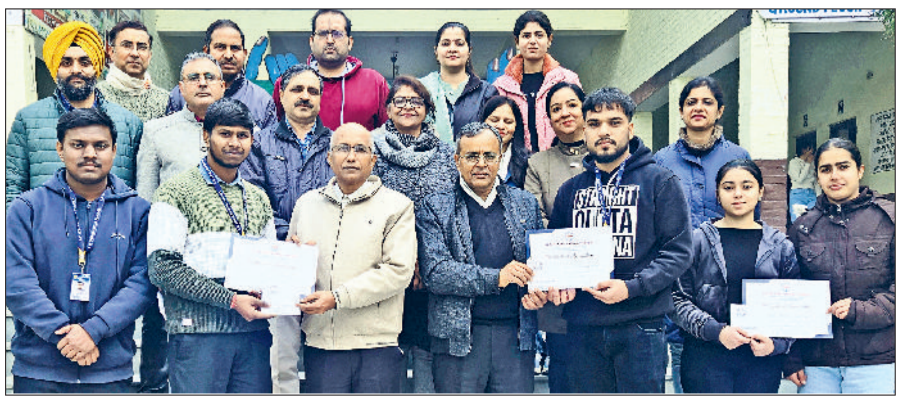

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अनुपम अरोडा के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एसडी पीजी कॉलेज के छात्रों अंकित, इश्मीत कौर, निकेश की टीम ने हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद् हरियाणा सरकार द्वारा जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत में आयोजित जोनल क्विज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विजेता टीम को चालीस हजार रुपये का पुरस्कार पाया। वहीं, क्विज में रोहतक जोन के 25 कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया। इधर, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने विजेता छात्रा व इनके मार्गदर्शक प्रो मयंक अरोड़ा व प्रो रितु का स्वागत किया। वहीं, डॉ. अरोड़ा ने कहा कि क्विज एक प्रकार की दिमागी कसरत है जिसमें प्रतिभागी सवालों के सही उत्तर देने का प्रयास करते हुए अपने बौद्धिक विकास को सक्रीय करता है। क्विज एक प्रकार का संक्षिप्त मूल्यांकन भी हैं जिसका प्रयोग शिक्षा या इसी प्रकार के अन्य क्षेत्रों में ज्ञान, योग्यता और कौशल में वृद्धि को मापने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि क्विज विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए एक सटीक माध्यम है। एक परीक्षा की तुलना में क्विज को पूरा करने के लिए समय की भी कम आवश्यकता होती है।

आधुनिक यंत्रों का प्रयोग करें किसान

पानीपत। हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की खेती को आधुनिक, सरल और किफायती बनाने के उद्देश्य से सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों की खरीद पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाएगा। उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र दहिया ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को नई तकनीक से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और श्रम लागत कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बजट से पहले कारोबारियों का सरकार को अल्टीमेटम

■ जैम पोर्टल ने साइंस कारोबार की तोड़ी कमर गलाकाट प्रतिस्पर्धा से गुणवत्ता पहुंची गर्त में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

देश की पहचान बन चुके साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट उद्योग पर संकट गहराता जा रहा है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जैम) पोर्टल और चीन से आयातित कच्चे माल पर भारी ड्यूटी ने मिलकर साइंस कारोबार को दोहरी मार दी है। हालात यह हैं कि अंबाला जैसे ऐतिहासिक साइंस हब के कारोबारी अब इस व्यवस्था से मुक्ति की मांग करने को मजबूर हो गए हैं। अंबाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन (असीमा) के पूर्व महासचिव गौरव सोनी का कहना है कि जैम पोर्टल पर देशभर के ट्रेडर्स की एंट्री ने कीमतों की अंधी दौड़ शुरू कर दी है। टेंडर हथियाने के लिए उत्पादों के दाम इस कदर गिराए जा रहे हैं कि वास्तविक निर्माता टिक ही नहीं पा रहे। इसका सीधा नतीजा यह है कि स्कूलों और शिक्षण संस्थानों तक घटिया गुणवत्ता की साइंस किटें पहुंच रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि विज्ञान के प्रयोग सस्ते नहीं, सटीक होते हैं। लेकिन जैम पोर्टल पर केवल न्यूनतम कीमत को प्राथमिकता देने से गुणवत्ता पूरी तरह नजरअंदाज हो रही है, जिसका असर सीधे शिक्षा स्तर पर पड़ रहा है।

बजट से कारोबारियों की दो टूक मांग

आगामी बजट को लेकर साइंस कारोबारियों ने सरकार को साफ संदेश दिया है कि अगर अब भी ठोस फैसले नहीं हुए तो देश का यह पारंपरिक उद्योग दम तोड़ देगा। कारोबारियों की मुख्य मांगें है कि शिक्षण संस्थानों के लिए जैम पोर्टल की अनिवार्यता समाप्त की जाए या गुणवत्ता के कड़े मानक लागू हों, ग्लासवेयर निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाया जाए, मेक इन इंडिया के नाम पर केवल नारे नहीं, बल्कि स्थानीय निर्माताओं को वास्तविक प्राथमिकता दी जाए। कारोबारियों का कहना है कि अगर समय रहते नीतिगत सुधार नहीं किए गए, तो मेक इन इंडिया सिर्फ पोस्टर तक सीमित रह जाएगा और भारतीय साइंस इंडस्ट्री इतिहास बनकर रह जाएगी।

ग्लासवेयर इंडस्ट्री पर चीन की ड्यूटी का प्रहार

संकट यहीं खत्म नहीं होता। लैब में उपयोग होने वाले कांच के उपकरण बनाने के लिए जरूरी विशेष ग्लास ट्यूब चीन से मंगानी पड़ती हैं। असीमा के सदस्य एमपी लांबा बताते हैं कि इन ग्लास ट्यूबों पर भारी इंपोर्ट ड्यूटी के चलते उत्पादन लागत बेहिसाब बढ़ गई है। नतीजतन भारतीय निर्माता न घरेलू बाजार में टिक पा रहे हैं, न अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला कर पा रहे हैं। लांबा ने बताया कि यदि सरकार बजट में ग्लास ट्यूब निर्माण के लिए विशेष क्लस्टर की घोषणा करे, तो हजारों कारोबारियों और कामगारों को राहत मिल सकती है।

कार्यशाला में छात्राओं को दिए आत्मरक्षा के टिप्स

नारायणगढ़। राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में प्राचार्य रोहित कुमार की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रोफेसर रेनू कुमारी के नेतृत्व में महाविद्यालय की छात्राओं को आत्मनिर्भर आत्मविश्वासी एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से एक सप्ताह की आत्म-रक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में छात्राओं के लिए आत्म-रक्षा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला के दौरान सेल्फ डिफेंस ट्रेनर ख़ुशी व उनकी टीम द्वारा छात्राओं को आत्म-रक्षा की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों को राष्ट सेवा के लिए किया प्रेरित

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ठोल के परिसर में एनएसएस का एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कैंप के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ने विद्यालय प्रिंसीपल सीमा आर्य का स्वागत किया। पीजीटी इको. सुरेंद्र कुमार द्वारा मंच का संचालन किया गया। एनएसएस कैंप में जसविंद्र सिंह, देवी दयाल, ममता रानी उपस्थित रहे। सीमा आर्य ने दीप प्रज्जवलित कर कैंप का शुभारंभ किया। देवी दयाल द्वारा विद्यालय की प्रगति व उन्नित के गत वर्षो की चर्चा की गई। सुरेश कुमार ने सीमा आर्य के कैंप में पहुंचने पर अभिनंदन किया। पीजीटी बायो जसविंद्र सिंह ने नशा मुक्ति पर विचार व्यक्त किए व नशे से बचने के लिए प्रेरित किया। सुरेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को तन-मन से राष्ट सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणी गुरु रविदास दास जी महाराज की 649वीं जयन्ती के उपलक्ष मे गुरू रविदास मन्दिर एव धर्मशाला की तरफ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सेक्टर 5 मे पहुंचने पर सेक्टर वासियों की तरफ से भव्य स्वागत किया गया। सेक्टर वासियों द्वारा संत शिरोमणी गुरू रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके शोभायात्रा के स्वागत की तैयारियों की शुरूआत की। शोभायात्रा का स्वागत सेक्टर वासियो व मातृ शक्ति द्वारा फूलों की बारिश करके किया गया। सेक्टर वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा आपसी भाईचारे का संदेश देकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

गुरु रविदास महाराज रैली के लिए जत्था रवाना

राजौंद। कुरुक्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की राज्य स्तरीय रैली में राजौंद से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस बारे प्रधान राजकुमार चौहान ने कहा संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर कुरुक्षेत्र में जनसैलाब उमड़ेगा। जिसमें भारी संख्या में समाज के लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय रैली में मुख्य अतिथि के रूप से नायब सिंह सैनी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी अध्यक्षता कृष्ण कुमार की पंचायत मंत्री हरियाणा सरकार करेंगे|रुक्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की राज्य स्तरीय रैली में राजौंद से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान उनके साथ प्रेम चोपड़ा, पार्षद प्रतिनिधि अंकित, अजय ग्रोवर, धूप सिंह, रामेश्वर सरपंच रवाना हुए।

अश्लील हरकत का विरोध करने पर महिला को पीटा

जींद। सफीदों गेट पर अशील हरकत का विरोध करने पर महिला से मारपीट करने पर शहर थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मारपीट करने, अशील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।सफीदों गेट निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस मोहल्ले के ही साहिल ने उसकी पत्नी के साथ अश्लील हरकत की।

समतामूलक मूलक समाज की प्रेरणा देता है संत शिरोमणि का जीवन

गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती की उपलक्ष्य में भव्य नगर कीर्तन

संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की शिक्षाएं सर्व समाज के लिए एवं उनकी शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपने जीवन में धारण कर अपना जीवन को बनाए पुण्य

अंबाला। नगर कीर्तन में भाग लेते हुए श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

अंबाला। कार्यक्रम में शामिल उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास जी की 649वीं जयंती के पावन अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा द्वारा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन जहां जहां से गुजरा वहां पर श्रद्धालुओं ने नतमस्तक होकर गुरू का आर्शीवाद प्राप्त किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा के प्रधान बंटी कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की जयंती के अवसर पर नगर कीर्तन का आयोजन किया गया हैं। नगर कीर्तन ने लोगों ने भारी संख्या में शामिल होकर इसका सफलता पूर्वक आयोजन भी करवाया है। इस मौके पर उन्होनें यह भी बताया कि संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास जी के समतामूलक विचार, सामाजिक न्याय व करूणा का संदेश आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की शिक्षाएं सर्व समाज के लिए हैं एवं उनकी शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपने जीवन में धारण करके अपना जीवन को पुण्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संत महापुरूषों की जयंतियां सरकारी तौर पर मनाकर उनका सम्मान करने का काम किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा आज गांव उमरी में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की हैं। नगर कीर्तन मोतीनगर श्री गुरू रविदास मंन्दिर से शुरू होकर कचौहरी चौक, मानव चौक, जलबेड़ा रोड, डीडब्लयूएस कॉलोनी, सिंघावाला, बादशाही बाग, सोनिया कॉलोनी, रणजीत नगर से होते हुए वापिस श्री गुरू रविदास मन्दिर में आकर सम्पन्न हुआ। नगर कीर्तन के दौरान संगतों में उत्साह एवं खुशी देखी गई तथा सर्व समाज के लोगों ने नगर कीर्तन में शामिल होकर इसकी भव्यता को बढ़ाने का काम किया हैं। इस अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा के प्रधान बंटी कुमार, उप प्रधान बंसी लाल, चेयरमैन राजपाल सूबेदार, कोषाध्यक्ष भीमराय, ऑडिटर संजीव कुमार, सचिव संदीप राठौर के साथ-साथ श्रद्धालु मौजूद रहेंगे।

गुरु रविदास के जन्म दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

अंबाला। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649 वें जन्म दिवस के पावन अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब विद्या केंद्र सेवा समिति (रजिस्टर्ड), बहबलपुर, अंबाला की ओर से श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु रविदास मंदिर कमेटी की ओर से नगर कीर्तन एवं प्रभात फेरी निकाली गई, जिसका गुरु ग्रंथ साहिब विद्या केंद्र सेवा समिति की तरफ से भव्य स्वागत किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए लंगर का विशेष प्रबंध भी किया गया। समारोह के दौरान निशाना वाली हरप्रीत सिंह बुडडा दल ने गुरु रविदास जी की जीवन गाथा एवं शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके उपरांत समिति के सदस्यों द्वारा कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु रविदास जी के समतामूलक विचार, सामाजिक न्याय और करुणा का संदेश आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। संस्था के अध्यक्ष ज्ञानी बाबा ठाकुर सिंह द्वारा समिति को निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिसके लिए सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया।

अंबाला। शुभारंभ करते हुए ग्रयाम सिंह व चरण सिंह। फोटो : हरिभूमि

गुरु रविदास के जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव झाड़ूमाजरा में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649 वें जन्मोत्सव पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर गांव के युवाओं, कमेटी सदस्यों और ग्रामीणों ने मिलकर भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा का शुभारंभ समाजसेवी ग्रयाम सिंह व चरण ने किया। उन्होंने दीप जलाकर और गुरु रविदास जी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी समाज को सही रास्ता दिखाती हैं। प्रेम, भाईचारे और समानता का संदेश अपनाकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। शोभायात्रा गांव झाड़ूमाजरा से शुरू होकर गांव रामगढ़ के मुख्य रास्तों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजे के साथ श्रद्धालु गुरु रविदास जी के भजन गाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा जब गांव रामगढ़ में स्थित गुरु रविदास जी के मंदिर पहुंची तो वहां के युवाओं और मंदिर कमेटी के सदस्यों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और चाय-पकौड़े का प्रसाद बांटा। इस आयोजन को सफल बनाने में जितेंद्र, कुलवंत, शुभम, सचिन, विशाल, मनोज, विनोद, कुलभूषण सहित कई युवाओं ने सहयोग किया। मौके पर सोहन लाल, विशाल, नीरज, सुमित, अनिल, विक्रम, पवन, रवि, जॉनी, बलकार, प्रीतपाल, राकेश, अंकुश और लवली समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

चोरी व मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना सेक्टर-9, अम्बाला शहर के उप निरीक्षक अमर सिंह व उनकी टीम ने दुकान में तोड़फोड़ कर चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिलबाग सिंह और तरनबीर सिंह (निवासी गाँव जलबेड़ा, वर्तमान निवासी सेक्टर-8, अम्बाला शहर) के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता ईशान, निवासी सेक्टर-9 अम्बाला शहर ने 30 जनवरी 2026 को पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि 29 जनवरी को पटेल नगर स्थित उनकी दुकान पर आरोपियों ने हमला बोला। आरोपियों ने न केवल दुकान में तोड़फोड़ कर चोरी की, बल्कि विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। थाना प्रबंधक सेक्टर-9 के नेतृत्व में उप-निरीक्षक अमर सिंह की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई ट्रैक्टर-ट्राली और चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पलिस टीम ने छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

अंबाला। थाना बलदेव नगर क्षेत्र के प्रेमनगर स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेफ सिटी टीम की उप-निरीक्षक रेणु बाला और उनकी टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। छात्राओं को सुरक्षा के आधुनिक साधनों से जोड़ते हुए सेफ सिटी टीम ने डायल-112 ऐप और इसकी ट्रिप मॉनिटरिंग सर्विस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने स्टाफ/छात्राओं को बताया कि अकेले यात्रा करते समय यह तकनीक उनकी सुरक्षा में कितनी सहायक सिद्ध हो सकती है। जागरूकता के साथ-साथ पुलिस टीम ने मौके पर ही स्टाफ/छात्राओं के मोबाइल में डायल-112 ऐप डाउनलोड भी करवाई। उप-निरीक्षक रेणु बाला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सजगता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। उन्होंने महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म-सुरक्षा के तरीके और वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के टिप्स साझा किए। इसके अलावा, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं और कामकाजी महिलाओं में सुरक्षा की भावना पैदा करना है। पुलिस की पाठशाला के माध्यम से पुलिस सीधे आमजन से जुड़कर उन्हें ट्रिप मॉनिटरिंग जैसी सेवाओं की जानकारी दे रही है, ताकि गांव और कस्बों से आने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता किया जा सके।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अम्बाला पुलिस द्वारा आज पुलिस ऑफिसर इंस्टीट्यूट, अम्बाला शहर में एक विशेष विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति सम्मान प्रकट करने और उनकी वर्षों की कर्तव्यनिष्ठ सेवा को सराहने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक जितेश जिंदल के नेतृत्व में अम्बाला पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने शिरकत की। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हो रहे निरीक्षक दर्शना देवी, निरीक्षक सुल्तान सिंह, निरीक्षक देवी पाल, निरीक्षक ज्ञान चंद, उप निरीक्षक गुरनाम सिंह और कुक गोपाल को स्मृति चिन्ह भेंट कर और पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया गया। उप पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए सभी पुलिसकर्मियों के स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इन कर्मियों ने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा और सेवा भाव से समाज की सेवा की है। उन्होंने उपस्थित अन्य पुलिसकर्मियों को भी इन सेवानिवृत्त साथियों के सेवा भाव और अनुशासन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। सम्मान से अभिभूत होकर सेवानिवृत्त अधिकारियों और उनके परिजनों ने पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित इस विभागीय सम्मान समारोह की सराहना की। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे सुखद और यादगार दिन बताया और विभाग द्वारा दिए गए इस मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क कैंसर जांच 2 फरवरी से शुरू

अंबाला। महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 02 फरवरी से 07 फरवरी 2026 तक कैंसर जांच सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम अस्पताल के स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग की अध्यक्षा डा. सतवंत कौर ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत महिलाओं को नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श तथा नि:शुल्क पैप स्मीयर जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस जांच के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान संभव हो सकेगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार नियमित जांच से महिलाओं में कैंसर से होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

पैरा लीगल वालंटियर का पैनल होगा गठित

13 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

उपमंडल विधिक सेवा समिति नारायणगढ़ द्वारा आगामी तीन वर्षों के लिए पैरा लीगल वालंटियर (पीएलवी) का पैनल गठित किया जाएगा। इस पैनल में चयनित उम्मीदवारों को अस्थायी आधार पर रखा जाएगा तथा समिति द्वारा आवश्यकता अनुसार उन्हें कभी भी हटाया जा सकेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं उपमंडल विधिक सेवा समिति नारायणगढ़ के चेयरपर्सन माननीय चितेश गुप्ता ने बताया कि पैरा लीगल वालंटियर के लिए आवेदन करने हेतु उम्मीदवार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र 2 फरवरी से 13 फरवरी 2026 को दोपहर 3रू00 बजे तक न्यायिक परिसर (ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स) नारायणगढ़ के फ्रंट ऑफिस में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। पात्र उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। चेयरपर्सन माननीय चितेश गुप्ता ने बताया कि उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 20 वर्ष निर्धारित की गई है। पैरालिगल वालंटियर के लिए समाजसेवी, पूर्व सैनिक (एक्स सर्विसमैन), नंबरदार तथा किसी भी एनजीओ के सदस्य भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चयनित पैरा लीगल वालंटियर को कोई निश्चित वेतन नहीं दिया जाएगा।

गुरु रविदास ने समाज को दिखाई दिशा : वीना रंगा

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर गांव बारना में संगत की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर गुरु रविदास मंदिर में धार्मिक समागम हुआ। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वीना रंगा ने कहा का अवतार युग प्रवर्तक के रूप में हुआ। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव और कुरीतियों को दूर करते हुए जीवन जीने की सही राह इंसान को दिखाई। उन्हीं की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए आज समाज तरक्की के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने समाज में फैली कुरीतियों और भेदभाव को दूर करते हुए मानवता की सेवा की राह दुनिया को दिखाई। उन्होंने बताया कि रविवार को भी जयंती पर विशेष कार्यक्रम होगा। इस मौके पर सुमित नरवाल, पवन नरवाल, मोंटी, करेसन, प्रवीण मेहरा, देवीलाल, प्रवीण, राकेश, विक्की, सतपाल, अंकित नरवाल, शीशपाल गुरदेव, रिंकू, सचिन, मोहन लाल व अन्नु सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दिया लिखित अभ्यास बढ़ाने का सख्त संदेश

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी परखने के लिए डीईओ का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

सरकारी स्कूलों में मिलने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को परखने के लिए डीईओ सुधीर कालड़ा शनिवार को अवकाश के दिन स्कूलों में पहुँचे। अपने कार्यालय में शनिवार को अवकाश होने के बावजूद भी उन्होंने नग्गल, कलेरां और जनसुई गांवों के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक व राजकीय प्राथमिक विद्यालयों सहित कुल छह विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य फोकस कक्षा दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी रहा।

अंबाला। स्कूलों में निरीक्षण के दौरान डीईओ सुधीर कालड़ा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कक्षाओं में पहुँचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि बोर्ड परीक्षा में सफलता का सबसे मजबूत हथियार लिखित अभ्यास है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक उत्तर लिखने, प्रश्नों को समयबद्ध हल करने और उत्तर प्रस्तुति पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर मिड डे मील कुक्स की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी। प्राथमिक विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान निपुण हरियाणा मिशन के तहत कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों की शैक्षणिक दक्षताओं की भी जांच की गई। प्राप्त परिणामों की रिपोर्ट को निपुण हरियाणा ऐप पर अपलोड किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी का यह औचक निरीक्षण न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ, बल्कि शिक्षकों और विद्यालय प्रशासन के लिए यह स्पष्ट संदेश भी दे गया कि शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शिक्षकों को दिए जरूरी निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को भी दो टूक निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गए पिछले वर्षों के प्रश्नों का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों से कराया जाए, ताकि वे परीक्षा पैटर्न को समझ सकें और किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव से बचें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों की शैक्षणिक के साथ-साथ भौतिक व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान कक्ष, पुस्तकालय, मिड डे मील किचन, किचन गार्डन, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। जहां सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां विद्यालय प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुई विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर मिड डे मील स्वयं चखा और भोजन की गुणवत्ता की जांच की।

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

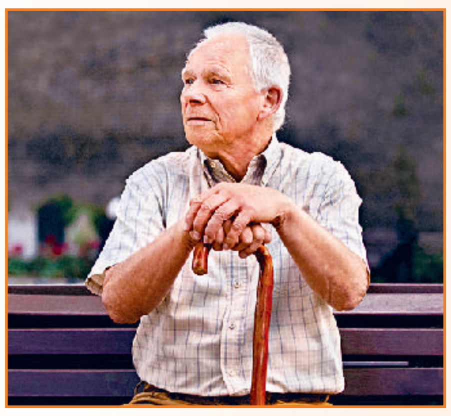

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है। अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

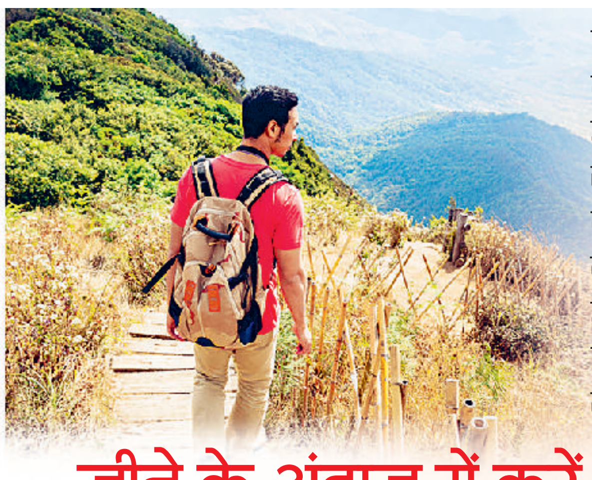

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य
अंशुमान खरे

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

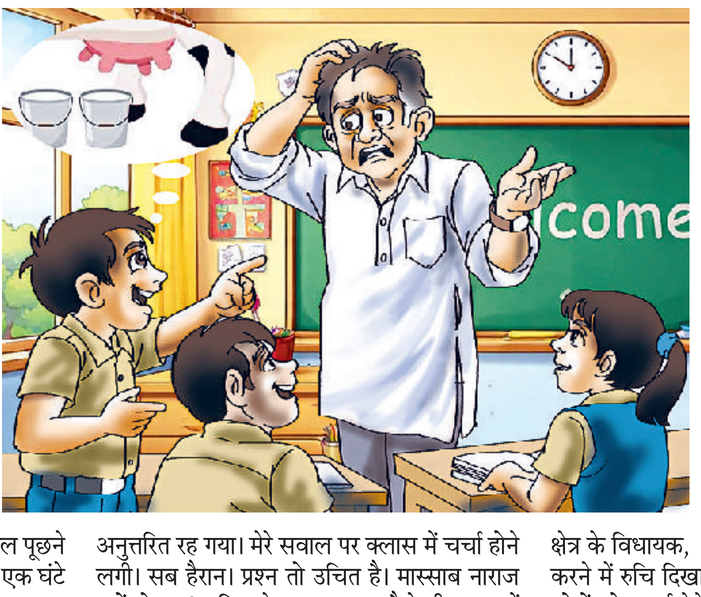

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ो की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मयंक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तकः तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

जरा सोचिए, प्रकृति और जीवन में रंग और सुगंध न हों तो यह दुनिया कितनी नीरस हो जाएगी। ये फूल ही तो हैं, जो हमारी दुनिया को रंगीन बनाते हैं, खुशबू से महकाते हैं। वासंती मौसम में तो बाग-बगीचों में फूलों की बहार ही आ जाती है। ऐसे में आइए, बात करें फूलों की...

वासंती मौसम में बात फूलों की

प्रकृति
शिखर चंद जैन

हर ऋतु में प्रकृति हमारे लिए कई बेशकीमती सौगातें लेकर आती है। प्रकृति की इन सौगातों में कुछ बेहद खूबसूरत फूल भी शामिल हैं। फूलों की यह मनमोहक दुनिया, हमें एहसास कराती है कि जीवन में रंग और खुशबू का कितना महत्व है। हर फूल अपनी जगह खास है, चाहे वह सड़क किनारे खिला छोटा-सा अनाम फूल हो या किसी बगीचे में खिला राजसी गुलाब। अगली बार जब आप किसी फूल को देखें, तो रुककर उसकी मोहक बनावट, उसकी सुगंध के बारे में जरूर सोचें। इन्हें जितना गौर से, प्यार से देखेंगे आपको इनसे उतना ही ज्यादा लगाव हो जाएगा।

संभालें नाजुक फूलों को: फूल हमारी धरती को खूबसूरती तो प्रदान करते ही हैं। इसके अलावा कई कीट-पतंगों को अपना रस, कई औषधीय लाभ और हमें खुशी का अहसास भी कराते हैं। ये मधुमक्खियों और तितलियों को आकर्षित करते हैं, जिससे परागण होता है। इससे पौधे बीज बना पाते हैं और नए पौधे उगते हैं। इस तरह फूल हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए हमारा भी फर्ज है कि हम उनकी रक्षा करें। ज्यादा कुछ नहीं तो इतना तो कर ही सकते हैं कि हम बिना कारण फूलों को न तोड़ें। जब हम फूल तोड़ते हैं, तो वह पर्याप्त मात्रा में बीज नहीं बना पाते और नए पौधे नहीं उग पाते हैं। फूलों की हिफाजत की शुरुआत अपने घर से करें। घर के गमलों में लगे फूलों वाले पौधों को नियमित तौर पर पानी दें और उन्हें कुछ समय के लिए सूरज की रोशनी में भी रखें। तितलियों, मधुमक्खियों और भौरों को फूलों पर बैठकर उनका रस चूसने दें। उन्हें भगाने का प्रयास न करें। न भूलें कि इससे उन कीटों को भोजन तो मिलता ही है, उस फूल वाले पौधे का परागण भी होता है। प्रकृति का सम्मान करें और अधिक से अधिक फूलों के पौधे लगाएं ताकि हमारे आस-पास हमेशा फूल महकते रहें।

बात भी करते हैं फूल: फूलों की मूल भाषा सुगंध होती है। ये हम मनुष्यों से अपनी मादक महक के माध्यम से बतियाते हैं। खुशबू से वे अपनी उपस्थिति का एहसास कराते हैं। हमें अपनी ओर आकर्षित करते हैं। सभी फूल अपनी अलग-अलग खुशबू फैलाते हैं। कुछ मधुमक्खियों और तितलियों को बुलाने के लिए और कुछ कीड़े-मकोड़ों को दूर भगाने के लिए। वैसे फूलों के पौधों समेत सभी पौधे, अपनी जड़ों और फंगस के नेटवर्क के जरिए भी एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और पोषक तत्वों या पानी की कमी जैसी जानकारी साझा करते हैं। साथ ही हवा में रसायन छोड़कर भी वे संवाद करते हैं। जब किसी पौधे पर हानिकारक कीट हमला करते हैं तो वह हवा में कुछ रसायन छोड़ते हैं, जिसे आस-पास के दूसरे पौधे महसूस कर लेते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए तैयार हो जाते हैं। प्रसिद्ध भारतीय वनस्पति विज्ञानी सर जगदीश चंद्र बोस ने बताया था कि पौधे इलेक्ट्रिक सिग्नल्स के जरिए भी संवाद करते हैं।

हमें इसलिए भाते हैं फूल: फूल हमें इसलिए अच्छे लगते हैं, क्योंकि उनके सुंदर रंग, मनमोहक सुगंध और आकर्षक बनावट हमारे दिमाग में खुशी के हार्मोन (डोपामाइन और सेरोटोनिन) पैदा करते हैं, जिससे हमें शांति और ताजगी महसूस होती है। फूल प्रकृति की सुंदरता, जीवन की सरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। इतना ही नहीं, ये दवा के रूप में भी महत्वपूर्ण होते हैं। पौराणिक काल में किसी स्थान पर फूलों की मौजूदगी इंसानों को यह संकेत देती थी कि आस-पास पानी, पोषक तत्व और भोजन (फल) उपलब्ध हैं। यही वजह है कि मानव सभ्यता के विकास से ही फूलों से हमारा गहरा जुड़ाव रहा है। फूलों के चटक, खूबसूरत रंग, इनकी मुलायमियत और सिमेट्रिकल बनावट आंखों को बहुत आकर्षित करती हैं।

कम नहीं सांस्कृतिक-प्राकृतिक महत्व: फूलों का सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व भी है। ये खुशी, प्रेम, सम्मान और उत्सव के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए जन्मदिन, शादियों और अन्य शुभ अवसरों पर फूलों को बुके, माला, गुच्छ के रूप में भेंट किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, फूल घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और नकारात्मकता को दूर करते हैं, जिससे खुशहाली आती है। ✻

आर्थिक लाभ भी कराते हैं फूल

फूलों को पसंद किए जाने की एक वजह यह भी है कि ये लाखों लोगों को आर्थिक लाभ भी कराते हैं। कोई फूल उगा कर, कोई इन्हें बेच कर, कोई सजा कर, कोई निर्यात करके और कोई इनसे सजावटी सामान, मालाएं और बुके आदि बनाकर धनार्जन करता है। भारत में फूलों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बाजार 2022 में लगभग 23,000 करोड़ रुपए का था और 2028 तक 46,700 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। बेंगलुरु, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल प्रमुख पुष्प उत्पादक राज्य हैं। गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा और ऑर्किड जैसे फूलों की मांग दुनिया भर में सबसे अधिक है। भारत के फूल संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, नाइजीरिया सहित कई देशों में भी भेजे जाते हैं।

सफलता के लिए जानना है जरूरी

आप क्या नहीं करना चाहते

करियर फील्ड कोई भी हो, उसमें सफल होने के लिए आपका फोकस्ड होना सबसे जरूरी है। फोकस्ड होने के लिए यह जानना जितना जरूरी है कि आपको क्या-क्या करना है, उतना ही जरूरी यह भी होता है कि क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं?

सेल्फ मोटिवेशन
कीर्तिशेखर

कई बार जीवन में 'हां' से ज्यादा जरूरी और ताकतवर होता है, 'नहीं'। विशेषकर करियर में सफल होने के लिए अगर शुरू से ही हमें यह पता हो कि हम क्या नहीं बनना चाहते, तो बहुत फायदा होता है।

क्या कहती हैं स्टडीज: करियर में सक्सेस के संबंध में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के मुताबिक 60 फीसदी से ज्यादा लोग ऐसे कामों में लगे होते हैं, जिन्हें वो करना पसंद नहीं करते, मगर जोखिम न उठाने के चलते वो ऐसे काम जीवनभर करते रहते हैं। इसके साथ ही एक दूसरा जबर्दस्त शोध इस विषय पर हुआ है कि दुनिया में जितने सफल लोग हैं, उसमें 90 फीसदी से ज्यादा ऐसे हैं, जो उस काम को कर रहे हैं, जिसे वह करना चाहते थे। जी हां, जब हम कोई ऐसा काम करते हैं, जो हमारा मनपसंद होता है, उसमें सफल होने के चांस 10-20 फीसदी नहीं पूरे 100 फीसदी ज्यादा होते हैं। इसलिए सफलता की असली नींव क्या करना है, से नहीं बल्कि क्या नहीं करना है, से पड़ती है। जिस दिन हम यह समझ लेते हैं कि हम जीवन में क्या नहीं करना चाहते, उसी समय हमारे करने वाले कामों की लिस्ट बिल्कुल साफ और सफलता की उम्मीद बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है।

'नहीं' क्यों जरूरी है: हम अकसर यह मानकर चलते हैं कि हां कहना सकारात्मक होता है और नहीं कहना नकारात्मक। लेकिन बात अगर स्पष्ट रूप से जिंदगी में करियर की दिशा चुनने की हो तो न कहना ज्यादा सकारात्मक होता है बजाय हर काम के लिए हां कर देने के। 'हां' कहना जितना आसान होता है, उसका नुकसान उतना ही बड़ा होता है। इसलिए जो काम न करना चाहते हों, उसे करने के आसान विकल्प मिलें तो बेहतर है 'नहीं' करना सीखें।

सफलता का पहला स्टेप: सफल लोग पहले यह तय करते हैं कि उन्हें क्या नहीं करना। इसलिए वे कुछ बातों को अमल में लाते ही हैं।

- हर काम और हर मौके पर कूद नहीं पड़ते।
- हर चमकदार विकल्प में नहीं फंसते।
- वे हर सलाह को आदेश नहीं मानते।
- सुनते सबकी हैं, लेकिन करते हैं, जो उनके मन में चल रहा होता है। यानी जो उन्हें सही लगता है।
- ऐसे लोग हर अपेक्षा को अपने सिर पर नहीं ढोते हैं।

दरअसल, सफलता का दर्शन दुनिया में कई नामों से जाना जाता है जैसे- फोकस, प्राथमिकता, सीमाएं और आत्मनियंत्रण। लेकिन सबका मूल एक ही है। आखिर मैं क्या करना चाहता हूं और क्या नहीं करना चाहता हूं?

इसलिए नहीं कहने से डरते हैं लोग: नहीं कहने से ज्यादातर लोग इसलिए डरते हैं, क्योंकि न कहना गैरसामाजिक माना जाता है। न कहने में एक किस्म की बगावत, विरोध होता है। इसलिए लोग न कहने से बचते हैं। लेकिन बचना वास्तव में 'बचना' नहीं होता। अगर न कहने से आप बचते हैं तो आखिरकार उसी न में फंस भी जाते हैं। इसलिए जब करियर के बारे में गंभीरता से सोचें तो अपनी सबसे पहली और जरूरी लिस्ट यह बनाएं कि आप क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं? अगर समय रहते आपमें यह स्पष्टता नहीं आई तो एक दिन आपको मजबूर होकर 'नहीं' खुद सिखा देगी। मसलन, मानसिक तनाव के जरिए, असफलता के चलते या पछतावे के रूप में। क्योंकि जो काम आप नहीं करना चाहते और फिर भी करते हैं, तो कीमत तो चुकानी ही पड़ती है। इसलिए बाद में कोई कीमत चुकाने से बेहतर पहले ही चुका लें, क्योंकि शुरुआत में यह सबसे छोटी होती है।

सफलता दिलाएंगे इन्हें 'नहीं' कहना: जिस दिन आप यह तय कर लेते हैं कि मैं अपनी तुलना 'नहीं' करूंगा, उसी दिन आप अपनी प्रतिभा से असफल होने से बच जाते हैं। तुलना सफलता से दूर करती है। सोशल मीडिया के दौर में तो तुलना एक धीमा जहर बन चुकी है।

खुद को हर जगह साबित 'नहीं' करने का निर्णय भी कारगर है। दरअसल, हर जगह अपनी काबिलियत दिखाने की कोई जरूरत नहीं होती, क्योंकि सभी जगहें आपकी सफलता नहीं तय करती हैं। इसलिए अपनी काबिलियत वहीं दिखाइए, जहां वाकई उसकी जरूरत है। लोग क्या कहेंगे, इस डर से अनचाहा फैसला 'नहीं' करना भी जरूरी है। जिस दिन आप फैसले लेने में 'लोग क्या कहेंगे' को माइनस कर लेते हैं तो आपके सारे फैसले सही होने लगते हैं। आजकल एक धारणा बन चुकी है, जो व्यस्त है, वही सफल है। जिस दिन आप इस भेड़चाल को मानने से इनकार कर देंगे, उस दिन से सफलता आपके कदम चूमेगी। रिश्ता भी वही स्वस्थ होता है, जिसमें सम्मान हो और जिसे याद करते हुए भी खुशी हो। जिस रिश्ते को याद करके खुशी न हो, उसे तोड़ना ही बेहतर होता है। ✻

निवेश, बचत और फाइनेंस से संबंधित अन्य कई पहलुओं को लेकर अकसर लोग असमंजस या भ्रम की स्थिति में रहते हैं। एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य के लिए जरूरी है कि आप वित्त से संबंधित इन मिथ और फैक्ट को अच्छी तरह जानें-समझें।

समृद्ध जीवन के लिए समझें

फाइनेंस से जुड़े मिथ-फैक्ट

सजेशन
अंजू जैन

हमारे मन में पैसों को लेकर पारंपरिक तौर पर कई ऐसी धारणाएं बैठा दी गई हैं, जो भ्रम होती हैं। घर की फाइनेंसियल कंडीशन अच्छी रखने के लिए ऐसे भ्रमों और उनसे जुड़े सच के बारे में जानना जरूरी है। इससे आप सुखी और समृद्ध रहेंगे।

मिथ: अगर आपकी इनकम ज्यादा है तो आप अमीर हो ही जाएंगे।

फैक्ट: अमीर होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि आप कितना बचाते हैं और कितनी समझदारी से निवेश करते हैं। मार्गन हाउसेल अपनी किताब 'द साइकोलॉजी ऑफ मनी' में लिखते हैं कि असली धन वह है, जो लोगों को सामने दिखाई नहीं देता बल्कि जिसे आपने अच्छी जगह निवेश कर रखा है। जैसे जमीन-जायदाद, शेयर, सोना, चांदी, एफडी, म्यूचुअल फंड आदि।

मिथ: घर खरीदना हमेशा ही एक बेहतरीन संपत्ति मानी जाती है।

फैक्ट: नहीं, अगर घर का मेंटेनेंस बहुत ज्यादा है, आपके कार्यस्थल से दूर है, डेली शॉपिंग की सुविधा नजदीक नहीं है या इसकी रीसेल वैल्यू बढ़ने वाली नहीं है तो आपके लिए यह नुकसानदायक ही होगा। रॉबर्ट कियासाकी अपनी पुस्तक 'रिच डैड-पुअर डैड' में बताते हैं कि अगर आपका घर आपकी जेब से विभिन्न मदों में पैसा निकाल रहा है तो वह एक लायबिलिटी है, एसेट नहीं। एसेट वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले।

मिथ: निवेश करने के लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत होती है।

फैक्ट: निवेश के लिए इसकी आदत और खर्च पर नियंत्रण जरूरी होता है। पुस्तक 'द रिचेस्ट मैन इन बेबीलोन' के अनुसार, अपनी कमाई का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा खुद के लिए बचाकर निवेश की शुरुआत करना ही सबसे बड़ी रणनीति है। 'कंपाउंडिंग' की शक्ति कम पैसों से भी बड़ा फंड बना सकती है।

मिथ: कर्ज हमेशा नुकसानदायक ही होता है।

फैक्ट: विशेषज्ञ 'अच्छे कर्ज' और 'बुरे कर्ज' में फर्क बताते हैं। अगर कर्ज का उपयोग ऐसी चीज खरीदने के लिए किया जाए, जिसकी वैल्यू बढ़े या जो आय पैदा करे (जैसे बिजनेस लोन), तो वह अच्छा कर्ज है। लेकिन लग्जरी, झूठे दिखावे और फिजूल चीजों के लिए कर्ज लेना गलत है।

मिथ: ज्यादा जोखिम मतलब ज्यादा मुनाफा।

फैक्ट: बिल्कुल नहीं। सफल निवेशक हमेशा जोखिम कम करने पर ध्यान देते हैं। बेंजामिन ग्राहम की पुस्तक 'द इंटेलिजेंट इंवेस्टर' सिखाती है कि अपनी पूंजी की सुरक्षा का ख्याल रखना और सोच-समझकर निवेश का विविधीकरण करना ही असली समझदारी है।

मिथ: रिटायरमेंट का मतलब 'काम बंद और पूरा आराम करना' है।

फैक्ट: हमेशा याद रखें कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। बिना किसी काम के शरीर और दिमाग को जंग लग जाती है। इससे दिमाग परेशानियों और बीमारियों में उलझ जाता है। बेहतर होगा कि रिटायर होने के बाद पसंदीदा काम करें और उससे चार पैसा कमाने की सोचें। टिम फेरिस की पुस्तक 'द 4-आवर वर्कवीक' के अनुसार, वित्तीय स्वतंत्रता का मतलब काम छोड़ना नहीं, बल्कि पसंद का काम करने की आजादी होना है।

मिथ: बजट बनाना खुद पर पाबंदी लगाना है।

फैक्ट: बजट आपको यह नहीं बताता कि आप क्या नहीं कर सकते, बल्कि यह तय करता है कि आपका पैसा कहां जाना चाहिए? यह आपको फिजूलखर्ची से बचाकर आर्थिक आजादी की ओर ले जाता है।

मिथ: अमीर लोग अकसर कंजूस होते हैं।

फैक्ट: अमीर लोग समझदार होते हैं, सोच-समझकर खर्च करते हैं और अपनी इसी आदत के कारण वे अमीर बनते हैं। थॉमस जे. स्टेनली की पुस्तक 'द मिलिनेयर नेक्स्ट डोर' के अनुसार, ज्यादातर करोड़पति साधारण जीवन जीते हैं। वे 'दिखावे' पर नहीं बल्कि 'वित्तीय स्वतंत्रता' पर खर्च करते हैं।

मिथ: पैसा ही सारी बुराइयों की जड़ है।

फैक्ट: यह एक बहुत पुराना भ्रम है। असल में पैसा नहीं 'पैसे का लालच' समस्याओं की जड़ है। पैसा अपने आप में केवल एक जरिया यानी टूल है, जो आपके पास मौजूद संसाधनों को बढ़ाने की क्षमता रखता है।

मिथ: निवेश के लिए मार्केट को 'टाइम' करना (सही समय का इंतजार) जरूरी है।

फैक्ट: 'टाइम इन द मार्केट' (बाजार में समय बिताना) 'टाइमिंग द मार्केट' (बाजार का सही समय चुनना) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। नियमित रूप से निवेश करना (जैसे एस आई पी के जरिए) और धैर्य रखना ही धन सृजन का सबसे विश्वसनीय तरीका है। शेयर बाजार में 'कब' निवेश करना है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप 'कितने समय' तक निवेशित रहते हैं, क्योंकि निरंतरता ही वेल्थ क्रिएशन की असली कुंजी है। बाजार में अधिक समय बिताने से लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज और धैर्य के कारण बेहतर रिटर्न मिलता है, जो पोर्टफोलियो को बढ़ने का मौका देता है। ✻

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

बॉलीवुड ट्रेंड
डी. जे. नंदन

'हम दोनों' का गीत 'अभी न जाओ..'

'वो कौन थी' का गीत 'लग जा गले..'

अब क्यों नहीं बन पाते

रूहानी सुकून देते गीत

पुराने फिल्मी गीतों को आज भी सुनें, तो ऐसा लगता है मानो किसी ने कानों में मिश्री घोल दी हो। ठहराव और सकून से भरे ये गीत सीधे रूह में उतरते हैं। आज ऐसे गीत कम ही बनते हैं। बॉलीवुड सॉन्ग्स के इस बदले हुए ट्रेंड पर एक नजर।

कई फिल्मी गीत ऐसे होते हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। बीते दौर के सदाबहार गीतों पर यह बात पूरी तरह लागू होती है। ये गाने सुनने के दौरान ही नहीं बल्कि उसके बाद भी देर तक दिलो-दिमाग में गूंजते रहते हैं। अब ऐसे गीत कम ही बनते हैं। आज ऐसे गीत कम इसलिए नहीं हैं कि प्रतिभा खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए कि दिल तक पहुंचने का रास्ता बदल गया है और यह छोटा भी कर दिया गया है। अगर हम आज के बॉलीवुड गीत-संगीत को ध्यान से सुनें, तो साफ पता चलता है कि मंद्र सप्तक यानी नीचे सुर में गाए गए, ठहरे हुए, भावप्रधान और गहराई वाले गीत अब अपवाद बनते जा रहे हैं।

सदाबहार गीतों का दौर: बीते दौर के गीतों को सुनते हुए एक सुकून, एक ठहराव-सा महसूस होता है। मसलन, फिल्म 'वो कौन थी' के इस गीत पर गौर करें, 'लग जा गले...'(स्वर-लता मंगेशकर, संगीत-मदन मोहन) यह गीत सुकून की पराकाष्ठा पर पहुंचाता है। आवाज में न कोई जल्दबाजी है, न दिखावा। बस एक अंतिम आग्रह, जो सरगोशी में भी अमर हो गया। इसी

'अमर प्रेम' का गीत 'चिंगारी कोई भड़के'

तरह फिल्म 'अमर प्रेम' का 'चिंगारी कोई भड़के...'(स्वर-किशोर कुमार, संगीत-आर. डी. बर्मन), किशोर कुमार का यह गीत यह साबित करता है कि मध्यम और नीचा सुर कमजोरी नहीं, गीत की ताकत भी होती है। 'अभी न जाओ छोड़कर...'(फिल्म 'हम दोनों', स्वर-मोहम्मद रफी और आशा भोसले, संगीत-जयदेव) गीत को सुनें तो इस गीत में संवाद है, आग्रह है और प्रेम का सभ्य ठहराव है। सुर इतने संयमित हैं कि आज भी इस गीत को सुनते हुए लोग इसमें खो जाते हैं। ऐसे ही 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए...' (फिल्म 'आनंद', स्वर-मुकेश, संगीत- सलिल चौधरी) गीत दिन और जीवन- दोनों के ढलने का संगीतात्मक रूपक है। और इसी तरह 'वो शाम कुछ अजीब थी..' (फिल्म 'खामोशी', स्वर-किशोर कुमार, संगीत- हेमंत कुमार) गीत में सुर सिर्फ चलते ही नहीं, ठहरते भी हैं। यही ठहराव इस गीत की आत्मा है।

क्यों कम बन रहे ऐसे गीत: सवाल यह है कि आज के समय में बीते दौर की तरह सुकूनदायक, रूहानी और ठहराव भरे गीत क्यों नहीं बनते? खोजने पर इसके कई कारण निकलकर सामने आते हैं। जैसे-आज के गीत 'सुनाई देने' के लिए बनाए जाते हैं, 'महसूस होने' के लिए नहीं। तेज बीट्स और ऊंचे सुर तुरंत ध्यान खींचते हैं, जबकि नीचे सुर धीरे और स्थायी असर करते हैं। आज की फास्ट लाइफ, मोबाइल स्पीकर, रील्स और जिम प्लेलिस्ट को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे गीतों में वो सुकून, वो ठहराव महसूस करना मुश्किल है। आज के समय में म्यूजिक कंपनियां चाहती हैं पहले 10 सेकेंड में ही हिट और व्यूज मिल जाए। नीचे सुर वाला गीत धीरे खुलता है, इसलिए उसे आज के दौर में 'रिस्की' माना जाता है।

वॉल्यूम-बीट्स को महत्व: बीते दौर में गायक फिल्म के किरदार से पहले गीत के भाव खोजते थे। आज के अधिकतर गाने में एक्टर और उसकी स्क्रीन इमेज का पहले ध्यान रखा जाता है। इस प्रयास में कई बार गायकी पर वॉल्यूम और बीट्स भारी पड़ जाते हैं।

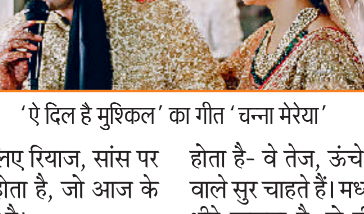

'ऐ दिल है मुश्किल' का गीत 'चन्ना मेरेया'

शास्त्रीय प्रशिक्षण की कमी: नीचे और मध्यम सुर में गाना आसान नहीं होता। इसके लिए रियाज, सांस पर नियंत्रण और धैर्य चाहिए होता है, जो आज के गायकों में कम होता जा रहा है।

कभी-कभार सुनाई पड़ते हैं मधुर गीत: अच्छे, मधुर गीत भले ही आज फिल्म संगीत के हाशिए पर चले गए हैं, लेकिन ये पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। आज भी कुछ मधुर गीत बन रहे हैं, जो बिना शोर किए दिल में उतर जाते हैं। उदाहरण के तौर पर हम आज के दौर के कुछ बेहतरीन सीधे रूह में उतरने वाले गीतों को देख सकते हैं- फिल्म 'तमाशा' के गीत 'अगर तुम साथ हो..' (गायक-अरिजीत सिंह और अलका याग्निक, संगीत- ए. आर. रहमान) गीत आज के दौर में मधुर गीत की सबसे सशक्त वापसी है। अलका याग्निक की आवाज पुराने दौर की गंभीरता लौटाती है, जबकि अरिजीत का संयम गीत को समकालीन बनाता है। इसी तरह फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' के गीत 'चन्ना मेरेया..' (गायक-अरिजीत सिंह, संगीत- प्रीतम) का मुखड़ा भले ही ऊंचाई छूता हो, लेकिन गीत का अंतरा और भावात्मक आधार नीचे सुर में ही बैठे हैं। यह गीत इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि कम ही सही लेकिन आज भी नीचे सुर के भावप्रवण गीत लोगों को खूब भाते तो हैं ही, फिल्म मेकर्स को व्यावसायिक सफलता भी दिलवा सकते हैं।

बाजार का है दबाव: आज का संगीत उद्योग जिनके हिसाब से चलता है, उनमें से बड़ी संख्या रील देखने वाले युवाओं की है। पहले 10 सेकेंड में रुकने या स्क्रॉल करने वाले श्रोता और दर्शक, जिनकी पसंद पर पैसा, प्रमोशन और ट्रेंड तय होता है- वे तेज, ऊंचे और तुरंत पकड़ में आने वाले सुर चाहते हैं। मध्यम और नीचे सुर का गीत धीरे खुलता है, दो-तीन बार सुनने पर असर करता है, अकेलापन और ठहराव की मांग करता है। आज के संगीत प्रेमियों और इंडस्ट्री को गायक से ज्यादा परफॉर्मर चाहिए। लाइव शो, डांस, स्क्रीन प्रेजेंस भी मायने रखता है। इन्हीं सब पहलुओं को ध्यान में रखकर आज के गीत-संगीत को रचा जाता है। देखा जाए, तो मामला सीधा-सीधा प्रोफेशनल प्रेशर के साथ ही 'डिमांड एंड सप्लाई' का माना जा सकता है। ✻